दैनिक
स्वर्णिम प्रदेश
PRN: MCN/329/2025-2027
epaper.swarnimpradesh.in
संरक्षक: मां वैष्णो देवी

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
अगर आप अपने विशेष अवसरों को खास बनाना चाहते हैं या महत्वपूर्ण सूचनाओं को व्यापक जनता तक पहुँचाना चाहते हैं, तो दैनिक स्वर्णिम प्रदेश आपके लिए सही मंच है। चाहे जन्मदिन की बधाई हो, शादी की सालगिरह, गुमशुदगी की सूचना, कानूनी नोटिस या कोई अन्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक विज्ञापन, हम आपके संदेश को सही तरीके से पहुंचाने में मदद करेंगे। आपके विज्ञापन से समाचार पत्र को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, जो इसे और बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी।
ईमेल: swarnimpradesh@yahoo.com
या वाट्सऐप नं. 8898271111

वर्ष : 8 • अंक : 339 • मुंबई, गुरुवार 2 जुलाई, 2026 •पृष्ठ : 6 • मूल्य: 2 रुपये • संपादक : सुनील कुमार तिवारी • Email: swarnimpradesh@yahoo.com
www.swarnimpradesh.in

सचिन अहीर महाराष्ट्र विधान परिषद के उपसभापति निर्विरोध निर्वाचित

■ **मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा– सचिन अहीर का अनुभव और निष्पक्ष नेतृत्व सदन की गरिमा बढ़ाएगा**

मुख्यमंत्री बोले- लोकतांत्रिक परंपराओं की जीत

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद के उपसभापति पद पर सचिन अहीर का सर्वसम्मति से निर्वाचन लोकतांत्रिक परंपराओं और संसदीय मूल्यों की जीत है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को विधान परिषद में सचिन अहीर के अभिनंदन प्रस्ताव पर बोलते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि सभी दलों ने सदन की उच्च लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करते हुए सर्वसम्मति से उपसभापति का चुनाव किया है। इससे संसदीय लोकतंत्र और मजबूत हुआ है तथा सदन की गौरवशाली परंपराओं को बनाए रखने की सामूहिक भावना भी प्रकट हुई है। उन्होंने सचिन अहीर को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनका लंबा राजनीतिक अनुभव, संतुलित दृष्टिकोण और सर्वसमावेशी नेतृत्व सदन के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सचिन अहीर विधायक, राज्य मंत्री और विधान परिषद सदस्य के रूप में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक निभा चुके हैं। जनसामान्य के मुद्दों के प्रति उनकी संवेदनशीलता, अध्ययनशीलता, निर्भीक कार्यशैली और सभी दलों के साथ संवाद बनाए रखने की क्षमता उन्हें उपसभापति पद के लिए उपयुक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि उपसभापति का पद संवैधानिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस पद पर आसीन व्यक्ति से सभी सदस्यों के साथ समान एवं निष्पक्ष व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सचिन अहीर अपनी संयमित और निष्पक्ष कार्यशैली से विधान परिषद की गौरवशाली परंपराओं को और मजबूत करेंगे। फडणवीस ने इस अवसर पर पूर्व उपसभापति डॉ. नीलम गो*हे के कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं, दलितों, पीड़ितों और वंचित वर्गों से जुड़े मुद्दों पर उनकी संवेदनशील एवं निष्पक्ष भूमिका ने उपसभापति पद की गरिमा को नई ऊंचाई दी। मुख्यमंत्री ने विधान परिषद के उपसभापति पद की समृद्ध परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि रा.सू.गवई, सूर्यभान वहाडणे और वसंतराव डावखरे जैसे वरिष्ठ नेताओं ने इस पद की प्रतिष्ठा को मजबूत किया है और उन्हें विश्वास है कि सचिन अहीर भी इस परंपरा को आगे बढ़ाएंगे। सचिन अहीर के सार्वजनिक जीवन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने वर्ष 1993 में श्रमिक आंदोलन से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की थी और गिरणी मजदूरों के मुद्दों के लिए लगातार संघर्ष किया। वर्ष 1999 से 2014 तक वे लगातार तीन बार विधायक चुने गए और आवास, सामाजिक न्याय, पर्यावरण, खनन तथा आदिवासी विकास जैसे विभागों में राज्य मंत्री के रूप में प्रभावी कार्य किया। मुंबई के सामाजिक, सांस्कृतिक और संगठनात्मक क्षेत्रों में भी उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि सचिन अहीर उपसभापति के रूप में सदन की कार्यवाही निष्पक्ष, संयमित और सर्वसमावेशी ढंग से संचालित करेंगे तथा उनके कार्यकाल में विधान परिषद की लोकतांत्रिक परंपराएं और अधिक सुदृढ़ होंगी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तथा संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांतदादा पाटील, सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार सहित विभिन्न दलों के सदस्यों ने भी सचिन अहीर को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा ने साउथ वेस्टर्न कमांड की कमान संभाली

संवाददाता

जयपुर। लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा ने जयपुर स्थित भारतीय सेना की दक्षिण पश्चिम कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ का पदभार संभाला। लेफ्टिनेंट जनरल मल्होत्रा ने ऐसे समय में कार्यभार ग्रहण किया है, जब पश्चिमी थिएटर में ऑपरेशनल महत्व काफी बढ़ गया है। वे अपने साथ उत्कृष्ट ऑपरेशनल अनुभव, स्पष्ट रणनीतिक दृष्टि तथा प्रभावी नेतृत्व का समृद्ध अनुभव लेकर आए हैं। जून, 1989 में 47 आर्मर्ड रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करने वाले जनरल ऑफिसर के पास भारतीय सेना में 37 वर्षों से अधिक शानदार सेवा का अनुभव है।

उन्होंने हर अहम स्तर पर कमांड, स्टाफ़ और प्रशिक्षण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। दक्षिण पश्चिम कमान का पदभार ग्रहण करने से पूर्व वे मुख्यालय पूर्वी कमान में चीफ ऑफ स्टाफ के पद पर कार्यरत थे, जहां उन्होंने ऑपरेशनल तैयारियों को सुदृढ़ करने, संगठनात्मक दक्षता बढ़ाने तथा संस्थागत समन्वय को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन ने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा ने भारतीय सेना के सबसे चुनौतीपूर्ण ऑपरेशनल क्षेत्रों में विभिन्न महत्वपूर्ण कमानों का नेतृत्व किया है। उन्होंने सियाचिन ग्लेशियर, एक आर्मर्ड रेजिमेंट, एक स्वतंत्र आर्मर्ड ब्रिगेड, एक आर्मर्ड डिवीजन तथा डेजर्ट कोर की कमान संभाली है। इन महत्वपूर्ण दायित्वों ने उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में ऑपरेशनल योजना बनाने तथा मल्टी-डोमेन सैन्य अभियानों के संचालन का व्यापक अनुभव प्रदान किया है। कमांड संभालने के अलावा, उनका मिलिट्री प्रोफ़ाइल काफी व्यापक है। उन्हें ऑपरेशनल प्लानिंग, मिलिट्री इंटेलिजेंस, ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स, पर्सनल मैनेजमेंट, टेक्नोलॉजी को अपनाना और स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशन जैसे अहम स्टाफ पदों पर काम करने का अनुभव है। लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा एक प्रतिष्ठित सैन्य अधिकारी हैं। उन्होंने रक्षा अध्ययन में दो मास्टर डिग्रियां प्राप्त की हैं, जिनमें से एक यूनाइटेड किंगडम के किंग्स कॉलेज, लंदन से है। इसके अतिरिक्त उन्होंने राजनीति विज्ञान तथा रक्षा एवं सामरिक अध्ययन में दो एम.फिल. डिग्रियाँ भी प्राप्त की हैं। उन्होंने अपने सभी कोर्स में बेहतरीन प्रदर्शन किया है और लगभग उन सभी कोर्स में टॉप किया है वे यूनाइटेड किंगडम के एडवांस्ड कमांड एंड स्टाफ कोर्स, हायर एयर कमांड कोर्स तथा नेशनल डिफेंस कॉलेज के स्नातक हैं। उन्हें दूरदर्शी सोच, स्पष्ट निर्णय क्षमता तथा प्रभावी नेतृत्व के लिए व्यापक सम्मान प्राप्त है। वे सैन्य क्षमता के विकास, संगठन के आधुनिकीकरण तथा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहे हैं। उनकी नेतृत्व शैली उच्च ऑपरेशनल मानकों के साथ-साथ अधीनस्थ अधिकारियों एवं सैनिकों के कल्याण, मनोबल तथा पेशेवर विकास पर विशेष बल देती है।

खास खबर

नितिन नवीन पर रेवंत रेड्डी के बयान को भाजपा ने बताया अहंकार की पराकाष्ठा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन को लेकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बयान पर भाजपा ने तीखा प्रहार करते हुए उन्हें अहंकारी बताया है। भाजपा ने कहा कि जो लोग एक परिवार के दरबारी है वो लोग ऐसे प्रश्न पूछ रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने प्रतिक्रिया व्यक्त

करते हुए कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अत्यंत निंदनीय प्रश्न किया है। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के बारे में पूछा है कि ये कौन हैं? ये अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी को पता होना चाहिए कि नितिन नवीन विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक दल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, जिसकी भारत के 22 राज्यों में सरकार है। प्रेम शुक्ला ने कहा कि इसी अहंकार की वजह से कांग्रेस बीते तीन लोकसभा चुनाव में हार का मुंह देख रही है। कांग्रेस की दुर्गति भाजपा से हुई जिसके राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन हैं । उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य की 17 लोकसभा सीट में 8 सीट भाजपा जीती है। इतनी ही सीट कांग्रेस ने जीती है। लेकिन तेलंगाना के मुख्यमंत्री अहंकार के शिखर पर विराजमान हैं । उन्होंने कहा कि ये अहंकार आने वाले कुछ महीनों तक ही रहेगा।

गृह मंत्री शाह ने जनसांख्यिकीय बदलावों पर गठित उच्चस्तरीय समिति से जल्द सिफारिशें देने को कहा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जनसांख्यिकीय बदलावों पर गठित हाई लेवल कमिटी ऑन डेमोग्राफिक चेंजेज से जल्द से जल्द अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने का आग्रह किया है। समिति ने बुधवार को यहां गृह मंत्री के आवास पर उनसे शिष्टाचार भेंट कर अपनी कार्ययोजना की जानकारी दी। बैठक के दौरान गृह मंत्री को बताया गया कि जनसांख्यिकीय बदलावों से संबंधित जमीनी स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन करने के लिए समिति विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करेगी। इसके साथ ही समिति केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के साथ भी विचार-विमर्श करेगी ताकि जनसंख्या में हो रहे बदलावों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर फीडबैक प्राप्त किया जा सके। समिति ने बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दौरे अधिक प्रभावी और संवादात्मक बनाने के उद्देश्य से एक विस्तृत प्रश्नावली तैयार की गई है। इसके माध्यम से संबंधित राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से आवश्यक सूचनाएं पहले ही प्राप्त की जाएंगी, जिससे अध्ययन को अधिक व्यवस्थित और तथ्यपरक बनाया जा सके। गृह मंत्री अमित शाह ने समिति की कार्ययोजना की सराहना करते हुए गृह सचिव को निर्देश दिए कि समिति के दैनिक कार्यों और उसके दौरों के दौरान हरसंभव प्रशासनिक एवं अन्य आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने समिति से अपने अध्ययन को शीघ्र पूरा कर सरकार को जल्द से जल्द सिफारिशें सौंपने का सुझाव दिया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को अपने संबोधन में 'हाई-पावर्ड डेमोग्राफी मिशन' की घोषणा की थी।

राजद ने मनाया 29वां स्थापना दिवस, लालू यादव बोले-गरीब, वंचित और पिछड़ों की आवाज बनी रहेगी पार्टी

संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने बुधवार को पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में अपना 29वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की एकजुटता पर जोर दिया और कहा कि राजद हमेशा गरीबों, वंचितों, पिछड़ों तथा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों की आवाज बनकर खड़ा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आह्वान किया। अपने संबोधन में लालू प्रसाद यादव ने कहा कि राजद ने हर दौर में चुनौतियों का सामना किया है और संघर्ष के बल पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि पार्टी आगे भी अपने सिद्धांतों और सामाजिक न्याय की विचारधारा से समझौता नहीं करेगी। उनका कहना था कि राजद का उद्देश्य समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा करना तथा उनके हितों के लिए निरंतर संघर्ष करना है। स्थापना दिवस समारोह के दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी संगठनात्मक मजबूती पर बल दिया। आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए बूथ, पंचायत और गांव स्तर तक संगठन को सक्रिय करने की रणनीति पर चर्चा की गई। नेताओं ने कहा कि मजबूत संगठन ही चुनावी सफलता का आधार होता है और प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी से ही पार्टी अपने लक्ष्य हासिल कर सकती है। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने राजद के लगभग तीन दशक के राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी ने सामाजिक न्याय की राजनीति को नई दिशा देने का काम किया है और भविष्य में भी इसी विचारधारा के साथ आगे बढ़ेगी। पटना स्थित राजद कार्यालय में आज सुबह से ही कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। कार्यालय परिसर को पार्टी के झंडों, बैनरों, पोस्टरों और रंग-बिरंगी रोशनी से आकर्षक ढंग से सजाया गया है। भीषण गर्मी को देखते हुए कार्यकर्ताओं की सुविधा के लिए 11 एयर कंडीशनर (एसी) और 15 कूलर लगाए गए हैं परिसर में ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दे रहे हैं, केक काटा गया और मिठाइयां बांटी गईं। भरत तिवारी को लेकर भी हुई चर्चा राजद स्थापना दिवस समारोह के दौरान भरत तिवारी एनकाउंटर का मुद्दा भी चर्चा में रहा। पार्टी कार्यालय पहुंचे छोटू छलिया ने कहा कि यदि भरत तिवारी ने आत्मसमर्पण (सरेंडर) कर दिया था तो उन्हें गोली नहीं मारी जानी चाहिए थी। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार को जातिवाद के आधार पर बांटने की कोशिश की जा रही है। इस दौरान उन्होंने नाही चाली तोहरो तानाशाहिया, जागल बा बिहरिया... गीत भी प्रस्तुत किया।

आर्थर रोड जेल के पुनर्विकास में कैदियों की भीड़ बनी चुनौती, बहुमंजिला जेल की तैयारी

संवाददाता

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की ऐतिहासिक और 100 साल पुरानी आर्थर रोड जेल (मुंबई सेंट्रल जेल) के पुनर्विकास का महत्वाकांक्षी प्रस्ताव एक अनोखी चुनौती से जूझ रहा है। जेल प्रशासन जिस भीड़भाड़ की गंभीर समस्या को खत्म करने के लिए इसे बहुमंजिला परिसर में बदलना चाहता है। वही भीड़भाड़ इसके पुनर्निर्माण की राह में रोड़ा बन गई है। वर्तमान में, मात्र 999 कैदियों की स्वीकृत क्षमता वाली इस छह एकड़ की जेल में, क्षमता से तीन गुना अधिक यानी 3,365 कैदी बंद हैं। इस जेल में 20 बैरक और कोठारिया हैं, जिनमें उच्च सुरक्षा वाली अंडे के आकार की कोठारियां भी शामिल हैं, जो अंडा कोठरी कहलाती हैं। गृह राज्य मंत्री योगेश कदम की अध्यक्षता में पिछले एक साल से इस पुनर्विकास पर लगातार बैठकें हो रही हैं। शुरुआत में तीन आठ मंजिला इमारत बनाने का प्रस्ताव था। लेकिन जेल विभाग ने सुरक्षा और डिजाइन संबंधी कमियां बताई। चूंकि जेल विभाग सुरक्षा कारणों से हजारों कैदियों की मौजूदगी के बीच भारी निर्माण कार्य नहीं करना चाहता। इसलिए अब इस काम को चरणों में करने पर विचार किया जा रहा है। कैदियों के केवल एक हिस्से को स्थानांतरित कर निर्माण शुरू किया जा सकेगा। सबसे बड़ा सवाल यह है

कि पुनर्निर्माण के दौरान इन कैदियों को अस्थायी रूप से कहीं रखा जाए? ठाणे, तलोजा और कल्याण जैसी शहर की अन्य पड़ोसी जेलें भी पहले से ही ओवरलोड है। मानखुर्द के पूर्वी उपनगर में 11 एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाकर जेल प्रशासन को सौंप दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, महाराष्ट्र शहर की इस पहली बहुमंजिला जेल के निर्माण में कैदियों की सुरक्षा, अदालती सुनवाई, मुलाकाते और खुले स्थान में आवाजाही जैसे कई महत्वपूर्ण पहलुओं को ध्यान में रखना होगा। मानखुर्द में नई जेल का निर्माण अगले 2-3 वर्षों में तेज होने की उम्मीद है। जिसके बाद ही आर्थर रोड जेल के मेकओवर का रास्ता पूरी तरह साफ हो सकेगा। मानखुर्द के पूर्वी उपनगर में 11 एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाकर जेल प्रशासन को सौंप दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, महाराष्ट्र की इस पहली बहुमंजिला जेल के निर्माण में कैदियों की सुरक्षा, अदालती सुनवाई, मुलाकातें और खुले स्थान में आवाजाही जैसे कई महत्वपूर्ण पहलुओं को ध्यान में रखना होगा।

उत्तराखंड में मानसून सक्रिय, दून-बागेश्वर में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

संवाददाता

देहरादून। दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तराखंड के अधिकांश हिस्सों में सक्रिय हो गया है। इसके प्रभाव से बुधवार को राजधानी देहरादून सहित कई जिलों में रुक-रुक कर बारिश हुई। मौसम विभाग की ओर से एक और दो जुलाई को देहरादून और बागेश्वर समेत कई जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसके मद्देनजर प्रशासन को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

राजधानी देहरादून सहित राज्य भर में में बुधवार सुबह से आसमान में घने काले बादल छाए हुए हैं और रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला जारी है। सुबह करीब 10 बजे के बाद शहर के संतलादेवी, राजपुर रोड, घंटाघर, आईएसबीटी सहित अधिकांश क्षेत्रों में मध्यम से तेज बारिश शुरू हो गई। लगातार हो रही वर्षा से तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को उमस से राहत मिली और मौसम सुहावना हो गया। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो-तीन दिनों में मानसून के राज्य के शेष भागों में भी आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। एक जुलाई को देहरादून और बागेश्वर तथा दो जुलाई को देहरादून, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल और बागेश्वर में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है। हरिद्वार, चंपावत, ऊधमसिंह नगर, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और चमोली सहित अन्य जिलों में भी भारी बारिश, गरज-चमक, आकाशीय बिजली तथा 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) ने सभी जिलाधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी बढ़ाने, राहत एवं बचाव दलों को हाई अलर्ट पर रखने और किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने लोगों से मौसम विभाग की एडवाइजरी का पालन करने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। देहरादून के जिलाधिकारी आशीष चौहान ने भी नदी-नालों, गधेरों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने तथा प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। पिछले 24 घंटों में पिथौरागढ़ में 68.3 मिमी, देहरादून में 62.0 मिमी, बनबसा और चंपावत में 61-61 मिमी तथा गरुड़ में 60.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई। स्वचालित मौसम केंद्रों के अनुसार डंगोली में 98.0 मिमी और कौसानी में 80.0 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई।

संपादकीय

खेल पत्रकारिता: मैदान से समाज तक की सच्ची कहानी

हर वर्ष 2 जुलाई को विश्व खेल पत्रकार दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य खेल पत्रकारों के योगदान को सम्मान देना, खेल पत्रकारिता के उच्च मानकों को बढ़ावा देना और दुनिया भर के खेल पत्रकारों को एक साझा मंच पर जोड़ना है। यह दिवस 2 जुलाई 1924 को स्थापित अंतरराष्ट्रीय खेल प्रेस संघ (एआईपीएस) की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है। स्विट्जरलैंड के लॉज़ेन स्थित यह संगठन 160 से अधिक देशों के खेल पत्रकारों का प्रतिनिधित्व करता है। भारत में इससे संबद्ध संस्था स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) है। खेल पत्रकारिता केवल मैचों के स्कोर या जीत-हार तक सीमित नहीं है। खेल पत्रकार खिलाड़ियों के संघर्ष, उनकी मेहनत, उपलब्धियों और खेलों के सामाजिक प्रभाव को आम लोगों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ओलंपिक, विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े आयोजनों की हर छोटी-बड़ी जानकारी करोड़ों दर्शकों तक पहुंचाने में उनकी अहम भूमिका होती है। डिजिटल युग में खेल पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदला है। अब यह केवल अखबारों तक सीमित नहीं रही, बल्कि टीवी, रेडियो, वेबसाइट, मोबाइल ऐप, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया जैसे अनेक मंचों पर सक्रिय है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और संचार क्रांति ने खेल समाचारों की पहुंच और प्रभाव को पहले से कहीं अधिक व्यापक बना दिया है। खेल पत्रकार केवल खबरें नहीं लिखते, बल्कि वे खिलाड़ियों और खेलों की समस्याओं को सरकार, खेल संस्थाओं और कॉरपोरेट जगत तक भी पहुंचाते हैं। इससे खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, प्रायोजन और पहचान मिलने में मदद मिलती है। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं, जब खेल पत्रकारिता ने सामाजिक बदलाव में भी अहम भूमिका निभाई। महान मुक्केबाज मोहम्मद अली के नस्लभेद विरोधी संघर्ष को दुनिया तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में खेल पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। हालांकि यह पेशा जितना आकर्षक दिखाई देता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी है। कई बार देर रात समाप्त होने वाले मैचों के तुरंत बाद सीमित समय में सटीक, तथ्यपरक और विश्लेषणात्मक रिपोर्ट तैयार करनी पड़ती है। यह कार्य खेल पत्रकारों की दक्षता, अनुभव और समर्पण का प्रमाण है। खेल पत्रकारों पर निष्पक्षता बनाए रखने और तेज़ी के साथ सही जानकारी देने की दोहरी जिम्मेदारी होती है। दुनिया में खेलों के लिए अलग समाचार पृष्ठ शुरू करने का श्रेय वर्ष 1895 में **न्यूयॉर्क जर्नल** को जाता है। तब से लेकर आज तक खेल पत्रकारिता ने लंबा सफर तय किया है और आधुनिक तकनीक के साथ इसकी भूमिका लगातार मजबूत हुई है। विश्व खेल पत्रकार दिवस इस बात की याद दिलाता है कि खेल पत्रकार खिलाड़ियों और खेल जगत की आवाज़ हैं। ऐसे में आवश्यक है कि निष्पक्ष, जिम्मेदार और तथ्यपरक खेल पत्रकारिता को प्रोत्साहन मिले, खेल पत्रकारों की सुरक्षा, अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाए तथा खेलों के माध्यम से निष्पक्षता, भाईचारे और खेल भावना के संदेश को समाज तक पहुंचाने के उनके प्रयासों को सम्मान दिया जाए। खेल पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न पत्रकारों के योगदान को सम्मान देने, उन्हें विश्व स्तर पर एक मंच पर साथ लाने तथा खेल पत्रकारिता के उच्च मानकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 2 जुलाई को विश्व खेल पत्रकार दिवस (वर्ल्ड स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स डे) मनाया जाता है। वास्तव में,इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य खेल को केवल और केवल मनोरंजन या प्रतियोगिता तक सीमित न मानकर खेलों को वैश्विक शांति, मित्रता, आपसी सहयोग और सद्भावना तथा एकजुटता का माध्यम बनाना है। उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय खेल प्रेस संघ (एआईपीएस) की स्थापना (2 जुलाई 1924) की स्मृति में की गई थी। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि एआईपीएस दुनिया भर के अनेक देशों के खेल पत्रकार संगठनों का प्रतिनिधित्व करता है और खेल पत्रकारिता के पेशेवर मानकों को बढ़ावा देने का कार्य करता है। दूसरे शब्दों में या सरल शब्दों में कहें तो एआईपीएस खेल पत्रकारों का एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जिसका मुख्यालय लॉज़ेन, स्विट्जरलैंड में स्थित है तथा यह दुनिया के 160 से अधिक देशों के खेल पत्रकारों का प्रतिनिधित्व करता है और हमारे देश भारत में इससे संबद्ध संगठन स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) के नाम से जाना जाता है। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि खेलों की सही, निष्पक्ष और तथ्यपरक रिपोर्टिंग में खेल पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। खेल पत्रकार ही खिलाड़ियों के संघर्ष, उनके जीवन, उपलब्धियों और खेलों के सामाजिक प्रभाव को आम लोगों तक पहुंचाने का काम करते हैं। आज के समय में ओलंपिक, विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की जानकारी करोड़ों लोगों तक पहुंचाने में खेल पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वास्तव में, आज खेल पत्रकारिता केवल प्रिंट मीडिया तक ही सीमित नहीं रह गई है, अपितु टीवी, रेडियो, वेबसाइट, मोबाइल ऐप, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया भी इसके प्रमुख माध्यम बन चुके हैं।

जयपुर में शुरू हुआ 29वां राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन, मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

संवाददाता

जयपुर। जयपुर के आरआईसी में बुधवार से दो दिवसीय 29वां राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन शुरू हो गया। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तकनीक के प्रभावी उपयोग की पहल की। इसी क्रम में जन-धन, आधार और मोबाइल के जरिये बिचौलियों का दखल खत्म हुआ। डीबीटी से हर योजना का लाभ सीधे लाभार्थी के खातों में पहुंचा।

डिजिटल इंडिया और यूपीआई को बढ़ावा मिला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्मार्ट परियोजना, ई-मित्र व्हाट्सएप सेवा, राजस्थान इनोवेशन चैलेंज का शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। इससे पहले उन्होंने तकनीकी सेवाओं पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया।

इस अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, सचिव इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी एस कृष्णन, सचिव प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत निवेदिता शुक्ला वर्मा, शासन सचिव सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग रवि कुमार सुरपुर, विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी सहित बड़ी संख्या में तकनीक के क्षेत्र से जुड़े उद्यमी, तकनीकी विशेषज्ञ, स्टार्टअप प्रोफेशनल्स उपस्थित रहे। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने उद्योग प्रतिनिधियों के साथ राउंड टेबल वार्ता में शिरकत की। उन्होंने कहा की डेटा सेंटर, एआई और तकनीक से जुड़े नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान में महत्वपूर्ण नीतियां जारी की गई हैं। वहीं, उद्यमियों को हरसंभव मदद उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार तैयार है। सम्मेलन का आयोजन केन्द्रीय प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस वर्ष की थीम 'विकसित भारत 2047: एआई सक्षम, डेटा संचालित एवं सुरक्षित डिजिटल गवर्नेंस' रखी गई है। 2 जुलाई को समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। दो दिवसीय सम्मेलन में 2,700 से अधिक प्रतिनिधि, 200 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वक्ता, भारत सरकार के वरिष्ठ सचिव, विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, 400 से अधिक शिक्षाविद, 1,100 से अधिक स्टार्टअप्स एवं उद्यमी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि तथा शोधकर्ता भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में 6 प्लेनरी सेशन एवं 6 ब्रेकआउट सेशन आयोजित होंगे, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित गवर्नेंस, सुरक्षित डिजिटल अवसंरचना, डेटा आधारित निर्णय प्रणाली, स्मार्ट पुलिसिंग, पब्लिक सेफ्टी, डीप टेक, वॉयस-फर्स्ट सॉल्यूशंस तथा भविष्य की डिजिटल प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर विशेषज्ञ विचार साझा करेंगे। इसके अलावा डिजिटल सुशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों एवं परियोजनाओं को सम्मेलन के दौरान 16 राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार (स्वर्ण एवं रजत) तथा एक विशेष जूरी पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

भारी बारिश से मंगलुरु में भूस्खलन, बिहार के एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, तीन घायल

संवाददाता

मंगलुरु। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच बुधवार तड़के मंगलुरु के नागुरी क्षेत्र में हुए भीषण भूस्खलन में बिहार मूल के एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रशासन ने राहत एवं बचाव अभियान पूरा कर प्रभावित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। बुधवार तड़के नागुरी क्षेत्र में स्थित एक मकान पर अचानक पहाड़ी से भारी मात्रा में मिट्टी और मलबा आ गिरा। मलबे के नीचे पूरा परिवार दब गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग, पुलिस तथा राज्य आपदा प्रबंधन बल की टीमें मौके पर पहुंचीं और युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। बचाव दल ने कड़ी मशक्कत के बाद बालकृष्ण (48), अल्का (14) और अनुषा (11) को सुरक्षित मलबे से बाहर निकाल लिया। तीनों को तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार घायलों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। हालांकि शांता (46), अनामिका चौरसिया (8) और परी

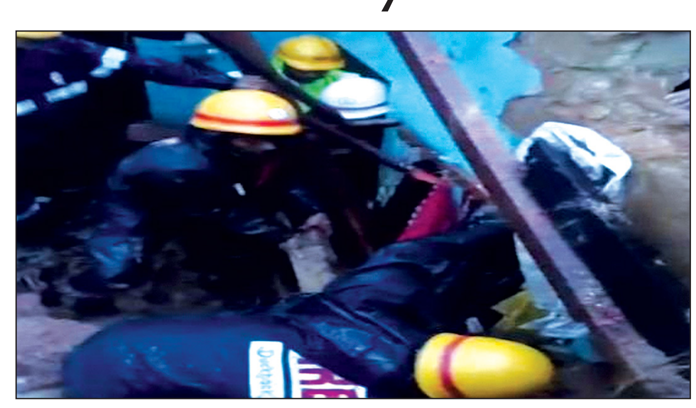

(4) को बचाया नहीं जा सका। मलबे में दबने से तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दक्षिण कन्नड़ के उपायुक्त दर्शन एच. वी. वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार, प्रभावित परिवार को आवश्यक आर्थिक एवं प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र की स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि मृतक और घायल मूल रूप से बिहार के निवासी थे। परिवार पिछले करीब 20 वर्षों से मंगलुरु के कंकनाडी गांव में कंकनाडी पुलिस थाने के पीछे स्थित क्षेत्र में रह रहा था। लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण पहाड़ी की मिट्टी खिसकने से यह हादसा हुआ। इस बीच दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी मंत्री यू. टी. खादर, जो दिल्ली दौरे पर थे, घटना की जानकारी मिलते ही अपना कार्यक्रम बीच में छोड़कर मंगलुरु लौटने का निर्णय लिया। उन्होंने दूरभाष पर उपायुक्त से बातचीत कर घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की कमी न रहने तथा प्रभावित परिवार को हरसंभव सरकारी सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि दक्षिण कन्नड़ जिले में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर जलभराव, भूस्खलन और जनजीवन प्रभावित होने की घटनाएं सामने आ रही हैं। प्रशासन ने लोगों से संवेदनशील एवं भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने तथा मौसम विभाग की सलाह का पालन करने की अपील की है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास लखनऊ के मेदांता में भर्ती, स्वास्थ्य में सुधार

संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अध्यक्ष एवं श्री मणिराम दास छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास महाराज की तबीयत बिगड़ने पर सोमवार को उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके एक शिष्य

ने बताया कि महाराज जी को जन्मोत्सव कार्यक्रम में इंफेक्शन हो गया था। स्वास्थ्यगत समस्याओं के कारण उन्हें परेशानी हो रही थी। मेदांता अस्पताल में डाक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही हैं और स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है। हालांकि कुछ समय लग सकता है।

राम मंदिर को मंत्रालय मत समझिए

विवेकानंद

एक और पेपर लीक, एक और परीक्षा रद्द। महाराष्ट्र में टीईटी का पेपर ऐसे समय लीक हुआ जब नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर सख्त कार्रवाई के दावे किए जा रहे हैं। व्यापमं घोटाले से यदि सबक लिया होता तो शायद बच्चों के भविष्य के साथ यूं खिलवाड़ नहीं देखना पड़ता। यह गजब संयोग है कि जनता को बांधे रखने के लिए बीजेपी ने अपने राजनीतिक एजेंडे में जो तीन कोर मुद्दे रखे हैं, इस वक्त तीनों ही चुनौती बने हुए हैं। परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं, युवा वर्ग में निराशा है। रामलला के मंदिर से चढ़ावा चोरी हो गया, श्रद्धालुओं में गुस्सा है। साल भर से अधिक समय बीत जाने के बाद ऑपरेशन सिंदूर में छह जवानों की शहादत स्वीकार की गई। इसे लेकर भी सवाल हैं। 29 जुलाई 2025 को लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी भारतीय सैनिक को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। जब शहीद जवानों के नाम सार्वजनिक हुए तब सवाल उठे। इसके बाद सरकार की ओर से 27 जून 2026 को जवाब आया कि रक्षा मंत्री के बयान को चुनिंदा रूप से उद्धृत किया गया है और उसके संदर्भ को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। रक्षा मंत्रालय की सफाई के बाद यह समझना मुश्किल हो रहा है कि क्या युद्ध में पायलट और जवान को अलग-अलग नजरिए से देखा जाता है? क्या पायलट के अलावा किसी जवान का शहीद

होना नुकसान की श्रेणी में नहीं आता? बहरहाल! आरोपों और असहमतियों को स्वीकार न करना राजनीति की पुरानी अदा है। बीजेपी ने इस अदा का सबसे उम्दा प्रदर्शन किया है। लेकिन इस बार मामला 'नीम चढ़े करेले' जैसा है। दरअसल उत्तर प्रदेश के चुनाव सिर पर हैं और ऐसे समय में रामधन की चोरी का मामला बीजेपी के हिंदुत्ववादी एजेंडे को जख्मी कर सकता है। यह चिंता बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से लेकर कार्यकर्ताओं तक दिखाई दे रही है। लिहाजा पीएमओ से लेकर आरएसएस प्रमुख तक मौन किंतु सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। पीएमओ रिपोर्ट मांग चुका है, आरएसएस प्रमुख के पास भी एक रिपोर्ट पहुंचने की खबर है। दावा किया जा रहा है कि चंपत राय का इस्तीफा भी संघ और केंद्र सरकार के दबाव में हुआ है। बीजेपी की उलझन रामलला के चढ़ावे की चोरी नहीं है, असल उलझन यह है कि कोई सिर ऐसा नहीं जिस पर इल्जाम थोपकर बरी हो लिया जाए। सभी सिर अपने हैं। राम मंदिर ट्रस्ट में विश्व हिंदू परिषद, आरएसएस के पदाधिकारी और केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त लोग हैं। इन्हीं लोगों ने अन्य सेवादारों की नियुक्ति की है। इनमें भी कोई न कोई किसी न किसी का करीबी है। इसके अलावा मंदिर निर्माण के पहले से ही अयोध्या में जमीनों की संदिग्ध खरीद-फरोख्त की खबरें आती रही हैं। हालांकि इनमें करप्शन के आरोपों को खारिज किया जाता रहा है, लेकिन रामधन की चोरी के बाद उधड़ी परतों के साथ ये भी बेपर्दा होते नजर आ रहे हैं। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने जमीनों की घपलेबाजी के सबूत देने का दावा किया है। खबर यह भी है कि चढ़ावे में चोरी का एक आरोपी अयोध्या के वीआईपी क्षेत्र में आलीशान घर बनवा रहा है। मंदिर से उसे सिर्फ 12 हजार रुपए सैलरी मिलती है। हालांकि यह संभव है कि उसके पास घर बनवाने लायक पैसा पहले से हो। लेकिन बीजेपी इस मसले को भी अन्य आरोपों की तरह साधने की कोशिश कर रही है। पेपर चोरी पर सवाल उठाने वालों को टुकड़े-टुकड़े गैंग कह कर प्रचारित किया जा रहा है और रामलला के चढ़ावे की चोरी पर सवाल उठाने वालों को रामद्रोही साबित करने वाले बयान दिए जा रहे हैं। मामूली चोर-उचक्कों को रिमांड पर लेने वाली पुलिस बेहद संयमित है। पुलिस ने आठ आरोपियों को दो बार कोर्ट में पेश किया, एक भी बार रिमांड नहीं मांगी। चंपत राय ने ट्रस्ट से इस्तीफा दिया है, पर अभी तक उसे मंजूर नहीं किया गया है। इस बचाव का राजनीतिक असर क्या और कैसा होगा, यह कहना अभी बहुत जल्दबाजी होगी। क्योंकि व्यापमं से लेकर राफेल और फिर वोट चोरी तक के आरोप न केवल सरकार और बीजेपी खारिज करती आई है, बल्कि वोट के रूप में जनता ने भी इन्हें नकार दिया है। बीजेपी को उम्मीद रहेगी कि अन्य आरोपों की तरह रामधन की चोरी भी जनता नकार देगी। इसलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर बीजेपी और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता राम मंदिर आंदोलन के वक्त हुए गोलीकांड और बाबर का वंशज जैसे बयानों को धार दे रहे हैं। बीजेपी की उम्मीद से कोई हैरानी नहीं है, लेकिन जनता के मन में कुछ सवाल तो हैं ही। मसलन, क्या राम के अस्तित्व को नकारना चढ़ावे में चोरी होने देने का लाइसेंस है? अगर सवाल उठाने वाले बाबर की औलाद हैं तो जिन्होंने चोरी की है वे किसकी औलाद हैं? सनातन की बदनामी चोरी उजागर करने में है या चोरी होते रहने देने में है? जिस जोश के साथ राम मंदिर बनाने के लिए खुद की पीठ ठोकते हैं, उतने ही साहस से मंदिर में हुए गबन को न रोक पाने की जिम्मेदारी क्यों नहीं ली जा रही? ये कोई मंत्रालय नहीं है, इसकी गड़बड़ियों को नजरअंदाज करना थोड़ा मुश्किल है। सवाल यह भी है यदि चुनाव न होते तो क्या यह मुद्दा भी बाकियों की तरह खारिज कर दिया जाता?

एल.आई.सी
भारतीय जीवन बीमा से संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या समाधान हेतु संपर्क करें।
-भारत सिंह
मो. 9967255741

महत्वपूर्ण सूचना

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति पूर्व एहतियातन बरती जाने के बावजूद, उसमें अंतर्भूत बाते जाँचना संभव नहीं है। ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए दैनिक स्वर्णिम प्रदेश के अंतर्गत समाचार पत्र या प्रकाशनों में आनेवाली कंपनियां, संस्थाए या व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं है।

आज का राशिफल

मेष: आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ: पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा। नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।

मिथुन: वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। लाभ होगा। दुःखद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

कर्क: आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग बना रहेगा। भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा।

सिंह: मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या: काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा। यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

तुला: आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेवजह लोगों से मनमुटाव हो सकता है। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

वृश्चिक: व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। कानूनी अड़चन आ सकती है। विवाद न करें।

धनु: सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। बड़ा कार्य करने का मन बनेगा। सफलता के साधन जुटेंगे। जोखिम न उठाएं। नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है।

मकर: किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। चोट व दुर्घटना से बचें। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। विवाद से बचें। धन प्राप्ति होगी। प्रमाद न करें।

कुंभ: ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। हितैषी सहयोग करेंगे। धनार्जन संभव है।

मीन: किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा।

केंद्र सरकार को बाल अपराधियों की आयु सीमा 18 से घटाकर 16 वर्ष करने का प्रस्ताव भेजेगी महाराष्ट्र सरकार

नाबालिगों से अपराध और नशे की तस्करी कराने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई, कानून में संशोधन की तैयारी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार बाल अपराधियों की आयु सीमा 18 वर्ष से घटाकर 16 वर्ष करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजेगी। साथ ही नाबालिगों का इस्तेमाल अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी में करने वाले गिरोहों के खिलाफ और कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कानून में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। मंगलवार को यह जानकारी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को विधानसभा में दी। जालना जिले में नाबालिगों के अपराध की ओर बढ़ते

रुझान से जुड़े प्रश्न पर विधानसभा में चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि लातूर की हालिया घटना व्यक्तिगत और पारिवारिक विवाद का परिणाम थी। मामले की जांच जारी है और जिन विधि-संघर्षरत बालकों की संलिप्तता सामने आई है, उन्हें किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा कानून के तहत नाबालिगों को गिरफ्तार करने के बजाय बालगृह में रखने की व्यवस्था का कुछ आपराधिक तत्व दुरुपयोग कर रहे हैं। ऐसे लोग गंभीर अपराध करवाने और मादक पदार्थों के वितरण के लिए बच्चों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा भी गंभीर अपराध किए जाने के मामले सामने आए हैं। फडणवीस ने कहा कि बाल अपराध की बढ़ती प्रवृत्ति का वैज्ञानिक अध्ययन करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की जाएगी। इसके अलावा बच्चों का इस्तेमाल करने वाले गिरोहों और संगठित अपराध से जुड़े लोगों पर संगठित अपराध संबंधी कठोर धाराएं लगाने तथा संबंधित कानूनों को और प्रभावी बनाने पर भी विचार किया जा रहा है। चर्चा के दौरान एक उपप्रश्न के उत्तर में गृह राज्यमंत्री योगेश कदम ने कहा कि राज्य में बाल अपराध रोकने के लिए विभिन्न निवारक और पुनर्वासात्मक उपाय लागू किए जा रहे हैं। पुलिस स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए जागरूकता अभियान, काउंसिलिंग, साइबर सुरक्षा और नशामुक्ति से जुड़े कार्यक्रम चला रही है। संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त और विशेष कार्रवाई भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि किशोर न्याय (बालकों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के तहत सभी पुलिस इकाइयों में विशेष बाल इकाइयों का गठन किया गया है। इनके माध्यम से CARE (काउंसिलिंग एंड रिफॉर्मेटिव एजुकेशन) कार्यक्रम चलाकर विधि-संघर्षरत बच्चों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, निरीक्षण गृहों में ऐसे बच्चों के संरक्षण, शिक्षा, परामर्श, व्यक्तित्व विकास और पुनर्वास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मीरा-भाईंदर मनपा की 31 स्कूलों के विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म, बैग और जूते वितरित

महापौर डिंपल मेहता और आयुक्त राधाबिनोद शर्मा ने किया वितरण, गुणवत्तापूर्ण और डिजिटल शिक्षा पर दिया जोर

संवाददाता

मुंबई। मीरा-भाईंदर महानगरपालिका के शिक्षा विभाग की ओर से बुधवार को आयोजित स्कूल उपयोगी सामग्री वितरण कार्यक्रम के तहत महानगरपालिका की 31 स्कूलों के विद्यार्थियों को निःशुल्क स्कूल यूनिफॉर्म, स्कूल बैग और जूते वितरित किए गए। मुख्य कार्यक्रम काशीगांव स्थित मनपा मराठी माध्यम स्कूल क्रमांक-4 और उर्दू माध्यम स्कूल क्रमांक-5 में आयोजित किया गया, जहां महापौर डिंपल मेहता और आयुक्त राधाबिनोद ए.शर्मा के हाथों विद्यार्थियों को सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर प्रभाग समिति क्रमांक-4 के सभापति संजय थेराडे, स्थानीय नगरसेविकाएं ज्योत्स्ना हसनाले, रूपाली मोदी, यशोदा ताटे, विजया वैती, नगरसेवक तुषार पारधी, अतिरिक्त आयुक्त प्रियंका राजपूत, उपआयुक्त (शिक्षा) कविता बोरकर, स्कूलों के प्रधानाध्यापक, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर डिंपल मेहता ने विद्यार्थियों से नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अनुशासन, संस्कार और

ईमानदारी जैसे मूल्यों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महानगरपालिका विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सभी आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है और प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी क्षमता का पूरा उपयोग कर उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना चाहिए। महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद ए. शर्मा ने कहा कि शिक्षा ही सफल भविष्य की सबसे मजबूत आधारशिला है।

उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास, समय प्रबंधन, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारियों को भी समान महत्व देने की अपील की। उन्होंने कहा कि मनपा प्रशासन विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, तकनीक आधारित और सर्वांगीण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए लगातार नए उपक्रम शुरू कर रहा है। शिक्षा विभाग के अनुसार, मीरा-भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्र में संचालित 31 मनपा स्कूलों में विद्यार्थियों को पूरी तरह निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। इनमें 16 मराठी, 5 उर्दू, 5 हिंदी और 5 गुजराती माध्यम की स्कूलें शामिल हैं। विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महानगरपालिका ने 9 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल विकसित किए हैं। सभी स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड लगाए गए हैं, जबकि कई विद्यालयों में टैब लैब और कंप्यूटर लैब की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे विद्यार्थियों के तकनीकी ज्ञान, नवाचार क्षमता और कौशल विकास को बढ़ावा मिल रहा है। वर्तमान में मीरा-भाईंदर महानगरपालिका की स्कूलों में 9,000 से अधिक विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

उनके सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक, खेल, सांस्कृतिक और कौशल विकास से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित किए जा रहे हैं। महानगरपालिका ने कहा कि विद्यार्थियों को सक्षम, शिक्षित और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रति वह पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

एक साल में पूरा होगा माणगांव तालुका स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

आधुनिक उप-विभागीय खेल संकुल भी बनेगा

रायगढ़ के माणगांव में स्विमिंग पूल और क्रिकेट सहित आधुनिक खेल सुविधाएं विकसित करने की तैयारी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार रायगढ़ जिले के माणगांव तालुका क्रीड़ा संकुल का निर्माण कार्य अगले एक वर्ष के भीतर पूरा करेगी। साथ ही माणगांव में आधुनिक सुविधाओं से युक्त उप-विभागीय खेल संकुल विकसित करने के लिए अलग से प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। मंगलवार को यह जानकारी मंत्री आदिती तटकरे ने मंगलवार को विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान दी। माणगांव क्रीड़ा संकुल से जुड़े प्रश्न पर सदस्य प्रवीण दरेकर ने मुद्दा उठाया, जबकि सदस्य अनिकेत तटकरे और भाई जगताप ने भी पूरक प्रश्न पूछे। मंत्री आदिती तटकरे ने बताया कि रायगढ़ जिले के मध्यवर्ती क्षेत्र माणगांव में स्थित तालुका क्रीड़ा संकुल वर्ष 2020 के चक्रवात में क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद विभागीय खेल संकुल के लिए 24 एकड़ भूमि खेल विभाग को हस्तांतरित की गई और 85 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भी सरकार को भेजा गया था। हालांकि, खारघर में विभागीय खेल संकुल के प्रस्ताव के कारण यह योजना लंबित रह गई।

उन्होंने बताया कि इस बीच माणगांव तालुका क्रीड़ा संकुल के लिए 3 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई, जिसमें से 2 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। परियोजना में तेजी लाने के लिए जल्द ही विशेष बैठक आयोजित कर निर्माण कार्य तत्काल शुरू किया जाएगा। आदिती तटकरे ने कहा कि खारघर में विभागीय खेल संकुल बनने के बावजूद माणगांव के लिए विशेष मामले के रूप में उप-विभागीय खेल संकुल का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। इस संकुल में स्विमिंग पूल, क्रिकेट मैदान तथा विभिन्न आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है, ताकि स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और खेल अधोसंरचना मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि माणगांव विभागीय खेल संकुल के संबंध में उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार नीतिगत निर्णय लिया जाएगा। साथ ही राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में खेल अधोसंरचना के विकास के लिए विशेष नीति बनाई जाएगी। रत्नागिरी के खेल संकुल के लिए अतिरिक्त निधि उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर भी सरकार सकारात्मक निर्णय लेगी।

पालघर के तारापुर औद्योगिक क्षेत्र में केमिकल फैक्ट्री के रिएक्टर में धमाका, दो कर्मचारी घायल

संवाददाता

पालघर। पालघर जिले के तारापुर एमआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार सुबह एक केमिकल निर्माण इकाई के रिएक्टर में हुए धमाके से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद दमकल विभाग की कई टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने तथा आसपास की औद्योगिक इकाइयों तक आग फैलने से रोकने के लिए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 11:18 बजे तारापुर एमआईडीसी स्थित चेमैट कंपनी के प्लॉट नंबर N-74/2 M/2 में हुआ, जहां रिएक्टर में अचानक विस्फोट हो गया। धमाके के बाद फैक्ट्री परिसर में आग लग गई, जिसके

चलते आसपास की इकाइयों में भी हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में समीप स्थित पैराडाइज़ एसिड/केमिकल्स (प्लॉट नंबर N-74/1) में कार्यरत दो कर्मचारी घायल हो गए। घायलों की पहचान प्रमोद और कमलेश के रूप में हुई है। दोनों को तत्काल उपचार के लिए तुंगा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद फायर ब्रिगेड, पुलिस और अन्य संबंधित विभागों की टीमें मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गईं। अधिकारियों ने आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है तथा आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाने के प्रयास जारी हैं। फिलहाल रिएक्टर में विस्फोट के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित विभाग घटना की जांच कर रहे हैं और यह पता लगाया जा रहा है कि हादसा तकनीकी खराबी, रासायनिक प्रतिक्रिया या किसी अन्य कारण से हुआ। प्रशासन ने कहा है कि जांच पूरी होने के बाद विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

गैर-मान्यता प्राप्त सात स्कूलों के प्रबंधन पर बीएमसी की बड़ी कार्रवाई, एफआईआर दर्ज

संवाददाता

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने गैर-मान्यता प्राप्त स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए सात स्कूलों के प्रबंधन, प्राचार्यों और पदाधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई है। यह कार्रवाई उन संस्थानों द्वारा बीएमसी के नोटिस की अनदेखी करने और बिना वैध मान्यता के स्कूल संचालित करते रहने के आरोप में की गई है। बीएमसी अधिकारियों के अनुसार, इससे पहले मानखुर्द के 14 और गोवंडी के तीन गैर-मान्यता प्राप्त स्कूलों के खिलाफ भी इसी प्रकार की कार्रवाई की जा चुकी है। अब ताजा कार्रवाई में ट्रॉम्बे और मानखुर्द क्षेत्र के सात अन्य स्कूलों को शामिल किया गया है। जिन स्कूलों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उनमें एकवीरा विद्यालय इंग्लिश स्कूल, अभिनव इंग्लिश स्कूल, पीस पब्लिक स्कूल, यूनिवर्सल इंग्लिश स्कूल, ट्रॉम्बे हिंदी स्कूल, क्वीन

मैरीज़ इंग्लिश स्कूल (सभी ट्रॉम्बे स्थित) तथा मानखुर्द का न्यू आकाश इंग्लिश स्कूल शामिल हैं। बीएमसी ने इन संस्थानों को पहले नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर स्कूल बंद करने तथा अपनी सरकारी मान्यता से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। साथ ही नोटिस के संबंध में स्पष्टीकरण भी मांगा गया था। हालांकि, निर्धारित अवधि के भीतर किसी भी स्कूल प्रबंधन ने न तो संतोषजनक जवाब दिया और न ही मान्यता संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किए। बीएमसी का कहना है कि नोटिस के बावजूद इन स्कूलों का संचालन जारी रहने की पुष्टि होने के बाद ट्रॉम्बे पुलिस से संपर्क कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। इसके तहत संबंधित स्कूलों के प्राचार्यों, सचिवों और प्रबंधन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेश की अवज्ञा) तथा बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई), 2009 की धारा 18 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बीएमसी ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध सरकारी मान्यता के किसी भी शैक्षणिक संस्थान का संचालन कानून का उल्लंघन है। ऐसे संस्थानों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों और उनके भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

भारी बारिश का कहर: वसई में वाहन बहे, नवी मुंबई में करंट से दो छात्राएं झुलसीं

संवाददाता

मुंबई। मुंबई और उसके आसपास के उपनगरीय इलाकों में चक्रवाती मानसूनी बारिश ने भारी तबाही मचानी शुरू कर दी है। बुधवार को मुंबई से सटे वसई और नवी मुंबई इलाकों से दिल दहला देने वाले हादसे सामने आए हैं। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते पालघर जिले के वसई स्थित वाघराल पाड़ा इलाके में एक नाले में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के कारण पार्किंग में खड़े कई चारपहिया और दोपहिया वाहन तिनके की तरह पानी के तेज बहाव में बह गए। वहीं दूसरी ओर, नवी मुंबई के नेरुल इलाके में जलभराव के बीच सड़क पर फैले करंट की चपेट में आने से दो कॉलेज छात्राएं बुरी तरह झुलस गईं। इन दोनों ही घटनाओं ने मानसूनी तैयारियों और नागरिक

सुरक्षा पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वसई के वाघराल पाड़ा में बुधवार को उस समय चीख-पुकार मच गई जब लगातार हो रही भारी बारिश के कारण स्थानीय नाले का जलस्तर पलक झपकते ही अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया। पानी का बहाव इतना तेज था कि वहां पार्किंग क्षेत्र में खड़ी तीन मोटरसाइकिलें, एक वैगनआर और एक मारुति इको कार पानी की तेज धारा में बहने लगीं। इस भयावह मंजर को देखकर आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। इसी दौरान इको कार में सवार चंद्रकांत किनी नामक व्यक्ति ने अद्भुत सूझबूझ और अदम्य साहस का परिचय दिया।

उन्होंने उफनते पानी के बीच फंसे दो अन्य नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला और उनकी जान बचाई। स्थानीय लोग चंद्रकांत के इस साहसिक कार्य की जमकर सराहना कर रहे हैं। प्रशासन ने पूरे वसई-विरार क्षेत्र में जलभराव को देखते हुए लोगों को नालों और जलमग्न सड़कों से दूर रहने की हिदायत दी है। नवी मुंबई में पिछले तीन दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के बीच नेरुल एलपी ब्रिज के नीचे एक बेहद चौंकाने वाला और गंभीर हादसा हुआ। दरअसल, ब्रिज के नीचे से गुजरने वाला एक भूमिगत बिजली का तार सड़क के ऊपर आ गया था। भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण तार के ऊपर का सुरक्षा कवच पूरी तरह घिसकर निकल चुका था, जिससे पानी भरे रास्ते में सीधे शॉर्ट सर्किट हो रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रहीं 16 से 20 वर्ष की दो कॉलेज छात्राएं पानी में फैले इस अदृश्य करंट की चपेट में आ गईं और तड़पकर पानी में गिर गईं। बिजली के तेज झटके के कारण जब दोनों छात्राएं असहाय होकर अपनी जान बचाने के लिए चीख रही थीं, तब वहां मौजूद लोग डर के मारे पीछे हट गए। लेकिन उसी समय स्थानीय नागरिक प्रकाश राजपुरोहित ने अपनी जान की परवाह न करते हुए बहादुरी की मिसाल पेश की। उन्होंने सूझबूझ से काम लेते हुए सीधे लड़कियों को छूने के बजाय एक मोटे कपड़े और अपने छाते का इस्तेमाल किया। प्रकाश ने छाते के हैंडल से तड़प रही युवती के बैग को फंसाकर उसे करंट के दायरे से बाहर खींचा और दोनों को सुरक्षित बचा लिया। दोनों छात्राओं को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों के मुताबिक अब उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए नवी मुंबई की महापौर सुजाता पाटिल ने तुरंत नेरुल एलपी ब्रिज का दौरा कर बिजली विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाई और खुले तारों को तुरंत ठीक करने के आदेश दिए।

DMK begins organisational revamp to rebuild after Assembly poll setback

CHENNAI: Setting the stage for a major organisational reset after its defeat in the 2026 Tamil Nadu Assembly elections, the Dravida Munnetra Kazhagam (DMK) has launched a comprehensive restructuring exercise aimed at revitalising the party from the grassroots to the State headquarters.

The initiative marks the first major organisational decision taken by the party after losing power, with the leadership acknowledging the need to strengthen the organisation, improve internal coordination and reconnect with the electorate following its electoral setback. The 2026 Assembly polls ended the DMK's five-year tenure in office and paved the way for the Tamilaga Vetri Kazhagam (TVK)-led government to assume power. As part of the exercise, DMK president M.K. Stalin has constituted a 10-member advisory committee comprising senior leaders Thangam Thennarasu, Geetha Jeevan, A.R. Chakrapani, S.S. Sivasankar, Tamilarasi Ravikumar, M.M. Abdulla, I. Paranthamen, S. Murasoli, Ezhilan Naganathan and S.K.P. Karuna. The committee has been tasked with recommending a uniform organisational structure across all levels of the party and preparing a roadmap for structural reforms designed to make the organisation more efficient, responsive and politically prepared for future challenges.

According to Stalin, the restructuring exercise forms part of a broader programme of organisational renewal intended to address shortcomings identified during an extensive post-election review and reposition the party for the years ahead.

Soon after the Assembly election results, the DMK leadership constituted 19 field study teams comprising 38 senior functionaries to undertake a detailed assessment of the party's performance. The teams toured districts across Tamil Nadu, interacted with cadre, local office-bearers and district leaders, and gathered feedback on the reasons behind the electoral defeat as well as organisational deficiencies that surfaced during the campaign.

The findings of those study teams have now become the foundation for the advisory committee's work. Party leaders said the panel would examine the existing organisational framework, recommend measures to strengthen grassroots units, improve coordination between different levels of the party and enhance public outreach as the DMK seeks to rebuild its organisation after its loss in the Assembly elections.

BJP aiming to change Constituion by drifting away Oppn MP's into their fold: Akhilesh Yadav

LUCKNOW: Samajwadi Party (SP) national president and former Chief Minister Akhilesh Yadav celebrated his 53rd birthday on Wednesday with party workers and senior leaders at the party headquarters in the capital, Lucknow. He cut a large cake during the ceremony. A large number of party leaders and workers greeted him with sweets. Akhilesh Yadav said he accepted the party workers' greetings on his birthday and expressed his heartfelt gratitude to all their well-wishers. Addressing the media on this occasion, SP President Akhilesh Yadav targeted the Bharatiya Janata Party (BJP). He said, Mata Prasad Pandey, Sanatan Pandey, and Balram Yadav have been associated with the party for generations. This is a party that has been associated with generations. The public has saved the Constitution through their votes. Now the BJP wants to change the Constitution by breaking the elected MPs. He said that Lord Shri Ram was and will always be revered by us. For us, the first name is Maryada Purushottam Shri Ram, the second is the Constitution, and the BJP is betraying both. He said that Lord Shri Ram is so merciful that if the CCTV cameras are turned off for a while, the offerings will automatically be returned. BJP members should change their name from BJP to B-C-P. Akhilesh said that the BJP has worked to spread hatred among us. But love, compassion, and belonging must remain among us, and our country's Indianness must remain intact. He said that this is a huge fight to establish a rule of social justice. Their bargaining power has been reduced to zero; the BJP is a charismatic and cunning party. The SP president thanked Bahujan Samaj Party (BSP) chief Mayawati and Chief Minister Yogi Adityanath for their birthday wishes. He also expressed his deepest thanks and gratitude to the messages from many colleagues, our party leaders, workers, and those from other parties who wished him on his birthday. PDA Swabhiman Sahayog Announcement: On his birthday, SP President Akhilesh Yadav announced the PDA (Backward, Dalit, Minority) Swabhiman Sahayog Fund.

Delhi Notifies Winter Air Pollution Master Plan, 50% of Employees to Work From Home

NEW DELHI: The Delhi government on Wednesday notified its Winter Air Pollution Master Plan, introducing a series of permanent measures to tackle severe air pollution during the winter months. Issued by the Department of Environment and Forests, the plan will remain in force every year from November 1 to February 28. Under the plan, 50 percent of employees in government and private offices will work from home from November 1 to January 31. Parking charges at authorised parking facilities will be doubled from November 1 to February 28, while demolition activities and open civil construction work will remain prohibited from November 1 to January 31.

In a statement, Chief Minister Rekha Gupta said Delhi experiences a significant deterioration in air quality every winter, with pollution levels consistently rising between November and February.

Keeping this recurring challenge in view, the government has introduced a permanent regulatory framework to address seasonal pollution. To curb vehicular emissions, Gupta announced that throughout the year, petrol, diesel, CNG and LPG filling stations across Delhi will supply fuel only to vehicles carrying a valid Pollution Under Control (PUC) certificate. Action will be taken against vehicles found refuelling without a valid PUC certificate.

She also announced that all motor vehicles registered outside Delhi and complying with emission standards below Bharat Stage VI (BS-VI) will be prohibited from entering and operating in the national capital from November 1 to January 31.

To encourage greater use of public transport, parking fees at authorised parking facilities will be doubled between November 1 and February 28. However, parking facilities operated by the Delhi Metro Rail Corporation (DMRC), which support public transport and park-and-ride services, will remain exempt from the higher charges. To reduce peak-hour traffic congestion, office timings will be staggered during the winter period. From November 1 to February 28, Municipal Corporation of Delhi (MCD) offices will function from 8:30 a.m. to 5:00 p.m., while Delhi government offices will operate from 10:00 a.m. to 6:30 p.m., reducing the number of commuters travelling simultaneously.

The Chief Minister said that between November 1 and January 31, only 50 percent of employees in Delhi government and private offices will be required to attend workplaces physically, while the remaining employees will work from home. Private establishments have also been directed to implement staggered working hours, ensure compliance with work-from-home arrangements, and promote carpooling, ride-sharing, public buses and other modes of public transport to reduce the number of vehicles on the roads.

इथेनॉल पुरवठा प्रकरणी सर्वोच्च न्यायालयाचा महत्त्वपूर्ण अंतरिम आदेश

नवी दिल्ली: इथेनॉल पुरवठा वाटप वाढविण्याबाबत कर्नाटक उच्च न्यायालयाने दिलेल्या आदेशावर सर्वोच्च न्यायालयाने मंगळवारी 'जैसे थे' (स्थिती कायम ठेवण्याचा) आदेश दिला. अंतिम निर्णय होईपर्यंत सध्याची व्यवस्था कायम राहणार असल्याचे न्यायालयाने स्पष्ट केले. न्यायमूर्ती एम. एम. सुंदरेश आणि न्यायमूर्ती शील नागू यांच्या खंडपीठाने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) यांच्या याचिकेवर सुनावणी करत हा अंतरिम आदेश दिला. 2025-26 या आर्थिक वर्षासाठी इथेनॉल पुरवठा वाढविण्याच्या कर्नाटक उच्च न्यायालयाच्या निर्देशांना बीपीसीएलने सर्वोच्च न्यायालयात आव्हान दिले आहे. सुनावणीदरम्यान केंद्र सरकारतर्फे ॲटर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी यांनी उच्च न्यायालयाचा आदेश लागू झाल्यास देशातील 'ई-20' (20 टक्के इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल) धोरणाच्या अंमलबजावणीवर परिणाम होऊ शकतो, असा युक्तिवाद केला. त्यांनी न्यायालयाला सांगितले की, इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम अद्याप संक्रमणाच्या टप्प्यात असून त्याचे दीर्घकालीन

परिणाम पुढील काळात अधिक स्पष्ट होतील.केंद्र सरकारने राष्ट्रीय जैवइंधन धोरणांतर्गत पेट्रोलमध्ये टप्प्याटप्प्याने इथेनॉलचे प्रमाण वाढविण्याची योजना राबविली आहे. त्यानुसार 2022-23 मध्ये 12.06 टक्के, 2023-24 मध्ये 14.6 टक्के आणि 2024-25 मध्ये (फेब्रुवारी 2025 पर्यंत) 17.98 टक्के इथेनॉल मिश्रणाचा टप्पा गाठल्याचा सरकारचा दावा आहे. सरकारने 20 टक्के इथेनॉल मिश्रणाचे लक्ष्य पूर्ण झाल्याचेही म्हटले आहे. दरम्यान, इथेनॉल मिश्रणाच्या वाढत्या प्रमाणावरून देशात मतभेद कायम आहेत. जुन्या वाहनांच्या कार्यक्षमतेवर त्याचा परिणाम होऊ शकतो, अशी काही तज्ज्ञांची चिंता असली तरी वाहनांच्या इंजिनचे यांत्रिक नुकसान होत असल्याचा कोणताही ठोस पुरावा उपलब्ध नसल्याचे केंद्र सरकारने न्यायालयात स्पष्ट केले. या प्रकरणाची सुरुवात एका इथेनॉल उत्पादक कंपनीने कमी वाटपाविरोधात कर्नाटक उच्च न्यायालयात याचिका दाखल केल्यानंतर झाली. वार्षिक 9.9 कोटी लिटर उत्पादन क्षमता असूनही 2025-26 साठी केवळ 3.92 कोटी लिटर इथेनॉलचे वाटप करण्यात आल्याचा दावा कंपनीने केला होता. त्यानंतर कर्नाटक उच्च न्यायालयाने भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम आणि इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन या तेल विपणन कंपन्यांना इथेनॉल वाटपाचा पुनर्विचार करण्याचे निर्देश दिले होते. सध्या 20 टक्क्यांपेक्षा अधिक इथेनॉल मिश्रणाबाबत अधिकृत निर्णय झालेला नसला, तरी भविष्यात इथेनॉलचे प्रमाण वाढविण्याबाबत केंद्र सरकार विविध पर्यायांचा अभ्यास करत आहे.

गोरखनाथ मंदिर आणि मुख्यमंत्र्यांना बॉम्बस्फोटाची धमकी

कुशीनगर: उत्तर प्रदेशातील गोरखनाथ मंदिर आणि मुख्यमंत्री यांना बॉम्बस्फोट घडवून उडवून देण्याची धमकी दिल्याप्रकरणी कुशीनगर जिल्ह्यातील 15वर्षीय अल्पवयीन मुलाला पोलिसांनी ताब्यात घेतले. चौकशीत तो मानसिकदृष्ट्या अस्वस्थ असून अमली पदार्थांच्या व्यसनाधीन असल्याचे समोर आले. आवश्यक तपास पूर्ण झाल्यानंतर त्याला घरी सोडण्यात आले. पोलिसांनी दिलेल्या माहितीनुसार, सोमवारी मध्यरात्री संबंधित अल्पवयीनाने गोरखपूर परिक्षेत्राचे पोलीस उपमहानिरीक्षक (डीआयजी) यांना मोबाईलवरून फोन करून गोरखनाथ मंदिर आणि उत्तर प्रदेशच्या मुख्यमंत्र्यांना बॉम्बने उडवून देण्याची धमकी दिली होती. या घटनेनंतर पोलिस यंत्रणा तातडीने सतर्क झाली. मोबाईल लोकेशनच्या आधारे गोरखपूर आणि पटहेरवा पोलीस ठाण्यांच्या संयुक्त पथकाने मंगळवारी पहाटे कुशीनगर जिल्ह्यातील बलुआ तकिया गावात छापा टाकून अल्पवयीनाला ताब्यात घेतले. चौकशीदरम्यान त्याची मानसिक स्थिती अस्थिर असल्याचे तसेच तो अमली पदार्थांच्या व्यसनाधीन असल्याची माहिती समोर आली. पोलिसांच्या नोंदीनुसार, 2025 मध्येही त्याने श्रीराम मंदिर उडवून देण्याच्या धमक्या तीन वेळा दिल्या होत्या.

कर्नाटक पोलिसांना परवानगीशिवाय माध्यमांशी बोलण्यास बंदी, सोशल मीडियाच्या वापरावरही निर्बंध

बंगळुरू: कर्नाटक पोलिस विभागाने पारदर्शकता आणि शिस्त राखण्यासाठी एक महत्त्वाचा आणि कठोर निर्णय घेतला आहे. यापुढे राज्यातील कोणताही पोलिस कर्मचारी स्वतःच्या इच्छेनुसार प्रसारमाध्यमांशी बोलू शकणार नाही किंवा सोशल मीडियावर पोलिस विभागाशी संबंधित कोणतीही माहिती शेअर करू शकणार नाही. यासंदर्भात कर्नाटकचे पोलिस महासंचालक (डीजीपी) डॉ. एम. ए. सलीम यांनी कठोर आदेश जारी केला आहे. डीजीपींनी जारी केलेल्या आदेशानुसार, पोलिस विभागाच्या वतीने अधिकृत माहिती किंवा निवेदन देण्याचा अधिकार आता केवळ नियुक्त आणि अधिकृत अधिकाऱ्यांनाच असेल. राज्य, रेंज, शहर, जिल्हा आणि विशेष युनिट स्तरावर हे अधिकारी निश्चित करण्यात आले आहेत. त्यांच्याशिवाय इतर कोणताही पोलिस कर्मचारी लेखी परवानगीशिवाय कोणतेही निवेदन किंवा मुलाखत देऊ शकणार नाही. तसेच, पोलिस कर्मचारी कोणत्याही वृत्तवाहिनीवरील चर्चासत्रात किंवा वादविवादात सहभागी होऊ शकणार नाहीत. माध्यमांना

'ऑफ द रेकॉर्ड' किंवा अंदाजाच्या आधारे कोणतीही माहिती देण्यासही बंदी घालण्यात आली आहे. याशिवाय, पोलिस कर्मचाऱ्यांच्या सोशल मीडिया वापराबाबतही कठोर नियम लागू करण्यात आले आहेत. त्यानुसार, वैयक्तिक किंवा अधिकृत सोशल मीडिया खात्यावर पूर्वपरवानगीशिवायसुरू असलेल्या तपासाशी संबंधित कोणतीही माहिती, गुप्तचर यंत्रणांकडून मिळालेली माहिती किंवा कारवाईचा आराखडा, गुन्ह्याच्या घटनास्थळावरील छायाचित्रे, एफआयआरची प्रत किंवा साक्षीदारांचे जबाब, पोलिस विभागातील अंतर्गत किंवा शासकीय कागदपत्रे याबाबतची माहिती पोस्ट किंवा फॉरवर्ड करता येणार नाही. डीजीपी डॉ. एम. ए. सलीम यांच्या मते, अनेकदा अपुरी किंवा संवेदनशील माहिती बाहेर गेल्यामुळे सुरू असलेल्या तपासावर परिणाम होतो. त्यामुळे न्यायालयीन प्रक्रियेवरही विपरीत परिणाम होऊ शकतो, नागरिकांच्या गोपनीयतेचा भंग होऊ शकतो आणि समाजात अफवा पसरून गोंधळ निर्माण होण्याची शक्यता वाढते. हे टाळण्यासाठीच हा निर्णय घेण्यात आला आहे. आदेशात स्पष्ट करण्यात आले आहे की, या नियमांचे उल्लंघन करणाऱ्या कोणत्याही पोलिस कर्मचाऱ्याविरुद्ध शिस्तभंगाची कारवाई करण्यात येईल. तसेच, विभागीय कारवाईबरोबरच आवश्यकतेनुसार कायदेशीर कारवाईही केली जाऊ शकते. मात्र, या आदेशात आपत्कालीन परिस्थितीसाठी काही प्रमाणात सवलत देण्यात आली आहे. नैसर्गिक आपत्ती, बचावकार्य, वाहतूक वळवणे किंवा कायदा व सुव्यवस्थेशी संबंधित गंभीर परिस्थिती उद्भवल्यास, घटनास्थळी तैनात अधिकारी जनहितासाठी आवश्यक माहिती थेट देऊ शकतात. मात्र, त्यासाठी संबंधित अधिकृत प्रवक्त्याला पूर्वकल्पना देणे बंधनकारक असेल.

व्हेनेझुएला भूकंप: मृतांची संख्या १,९४३ वर, दहा हजारांहून अधिक जखमी

कराकास: व्हेनेझुएलामध्ये नुकत्याच झालेल्या दोन शक्तिशाली भूकंपांमुळे मोठ्या प्रमाणावर जीवित आणि वित्तहानी झाली आहे. देशाच्या राष्ट्रीय सभेचे अध्यक्ष होर्हे रोड्रिगेझ यांनी दिलेल्या माहितीनुसार, या भूकंपांतील मृतांची संख्या वाढून १,९४३ वर पोहोचली असून १० हजारांहून अधिक जण जखमी झाले आहेत. सर्वाधिक प्रभावित भागांमध्ये सरकारने आणीबाणी जाहीर केली आहे. तसेच, मदत आणि पुनर्वसन कार्यासाठी सशस्त्र दलाची तैनाती करण्यात आली आहे. वृत्तानुसार, विस्थापित कुटुंबांसाठी तात्पुरती निवारा केंद्रे उभारण्यात आली असून वैद्यकीय पथके जखमींवर उपचार करत आहेत.सोमवारी सकाळी व्हेनेझुएलाची राजधानी

कराकास आणि ला ग्वायरा शहराजवळ ४.२ रिश्टर स्केल तीव्रतेचा आणखी एक भूकंप झाला. या धक्क्यामुळे स्थानिक नागरिकांमध्ये भीतीचे वातावरण निर्माण झाले. नागरिकांनी इमारतींमधून बाहेर पडून मोकळ्या जागांचा आश्रय घेतला. काही दिवसांपूर्वी याच परिसरात झालेल्या दोन शक्तिशाली भूकंपांमुळे मोठ्या प्रमाणावर विध्वंस झाला होता. व्हेनेझुएलाच्या अधिकृत भूकंप संशोधन संस्थेच्या अहवालानुसार, कॅरिबियन समुद्रात झालेल्या या भूकंपाचे केंद्र ला ग्वायरा राज्याच्या किनाऱ्यापासून अवघ्या १० किलोमीटर अंतरावर होते. याच भागाला गेल्या बुधवारी झालेल्या ७.२ आणि ७.५ रिश्टर स्केल तीव्रतेच्या भूकंपांचा सर्वाधिक फटका बसला होता. ताज्या आफ्टरशॉकची नोंद स्थानिक वेळेनुसार सकाळी सुमारे ९.३० वाजता झाली. त्यामुळे आधीच भीतीच्या छायेत असलेल्या नागरिकांमध्ये पुन्हा एकदा घबराट पसरली. राजधानी कराकास आणि किनारपट्टीवरील ला ग्वायरा शहरात इमारती हादरू लागल्याने नागरिकांनी घरे आणि कार्यालये सोडून बाहेर धाव घेतली. अनेक जण इमारती आणखी कोसळण्याच्या भीतीने उद्याने, चौक आणि इतर मोकळ्या जागांमध्ये एकत्र जमले.मात्र, अधिकाऱ्यांनी स्पष्ट केले की, सोमवारी झालेल्या भूकंपामुळे कोणतीही अतिरिक्त जीवितहानी किंवा मालमत्तेचे नुकसान झाल्याची नोंद झालेली नाही. राष्ट्रीय सभेचे अध्यक्ष होर्हे रोड्रिगेझ यांनी सांगितले, 'देशाच्या कोणत्याही भागातून अतिरिक्त नुकसानीची माहिती मिळालेली नाही.' त्यांनी नागरिकांना शांत राहून प्रशासनाच्या सूचनांचे पालन करण्याचे आवाहन केले.बुधवारी झालेल्या दुहेरी भूकंपाच्या परिणामांमधून व्हेनेझुएला अजूनही सावरत असतानाच हा आफ्टरशॉक जाणवला. स्थानिक प्रशासनाने नागरिकांना नुकसानग्रस्त इमारतींपासून दूर राहण्याचे आणि बचाव पथकांना सहकार्य करण्याचे आवाहन केले आहे. याशिवाय, सरकारने आपत्कालीन मदतीसाठी हेल्पलाइन सुरू केल्या असून किनारपट्टीवरील नागरिकांना संभाव्य त्सुनामीच्या धोक्याच्या पार्श्वभूमीवर खबरदारीचा उपाय म्हणून उंच भागात स्थलांतर करण्याचा सल्ला दिला आहे.

काजोल की सेल्फी से ज्यादा चर्चा में उनका मजाकिया कैप्शन

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने एक बार फिर अपने चुलबुले अंदाज से सोशल मीडिया पर फैंस का दिल जीत लिया है। उन्होंने अपनी एक नई सेल्फी शेयर की है, लेकिन इस बार तस्वीर से ज्यादा उसके साथ लिखा गया कैप्शन चर्चा में है। काजोल ने इंस्टाग्राम पर कार के अंदर ली गई अपनी मुस्कुराती हुई तस्वीर साझा की। फोटो में वह पिंक रंग की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने लुक को डायमंड और रूबी चोकर नेकलेस के साथ पूरा किया है, जबकि हल्के मेकअप ने उनकी सादगी और आकर्षण को और बढ़ा दिया।

हालांकि, फैंस का सबसे ज्यादा ध्यान उनके मजेदार कैप्शन ने खींचा। अभिनेत्री ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि उनकी एक 'स्टडी' के मुताबिक, जो लोग उनकी पोस्ट लाइक करते हैं, वे उन लोगों से ज्यादा खुश, ज्यादा बुद्धिमान और बेहतर दिखने वाले होते हैं, जो उनकी पोस्ट को लाइक नहीं करते। काजोल का यह अंदाज उनके प्रशंसकों को खूब पसंद आ रहा है और सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट पर लगातार प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। फैंस उनके सेंस ऑफ ह्यूमर और बेबाक अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं। अगर उनके फिल्मी करियर की बात करें तो काजोल ने साल 1992 में फिल्म 'बेखुदी' से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने 'बाजीगर', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'करण अर्जुन', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'फना', 'माय नेम इज खान' और 'तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर' जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया।

चर्चित वेब सीरीज 'आश्रम' का चौथा सीजन जल्द

मुंबई। अभिनेता बॉबी देओल की चर्चित वेब सीरीज 'आश्रम' एक बार फिर नए सीजन के साथ दर्शकों के बीच लौटने की तैयारी में है। 'आश्रम 4' पर काम शुरू हो चुका है और इसकी शूटिंग अगस्त से शुरू होने की संभावना है। नए सीजन में बॉबी देओल एक बार फिर 'बाबा निराला' के चर्चित किरदार में नजर आएंगे। उनके अलावा अदिति पोहनकर और चंदन रॉय सान्याल भी अपने-अपने किरदारों में वापसी करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, निर्देशक प्रकाश झा अपने बैनर प्रकाश झा प्रोडक्शंस के तहत

इस क्राइम-ड्रामा सीरीज का निर्देशन करेंगे। फिलहाल निर्माण कार्य जारी है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि चौथा सीजन बाबा निराला की कहानी का अंतिम अध्याय होगा या इसके बाद भी सीरीज को आगे बढ़ाया जाएगा।

'आश्रम' का पहला सीजन 28 अगस्त 2020 को एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हुआ था और इसे दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला। इसके बाद दूसरा सीजन नवंबर 2020 और तीसरा सीजन जून 2022 में आया। सीरीज की कहानी स्वयंभू धर्मगुरु बाबा निराला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो आस्था की आड़ में अपने अनुयायियों का शोषण करता है और अपराधों का साम्राज्य खड़ा करता है। लगातार तीन सफल सीजन के बाद अब दर्शकों को चौथे सीजन का बेसब्री से इंतजार है।

महेश बाबू का अनुशासन बना चर्चा का विषय, राजामौली ने बताया अनुभव

मुंबई। फिल्म निर्देशक एस.एस. राजामौली ने अभिनेता महेश बाबू के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए उनके अनुशासन और काम के प्रति समर्पण की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि एक अभिनेता के रूप में महेश की प्रतिभा से वह पहले से परिचित थे, लेकिन उनकी कार्यशैली ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया। एक इंटरव्यू में राजामौली ने बताया कि महेश बाबू शूटिंग के दौरान अपने मोबाइल फोन से पूरी तरह दूरी बनाए रखते

हैं। वह सेट पर आने से पहले अपना फोन कार में छोड़ देते हैं और काम खत्म होने के बाद ही उसे दोबारा देखते हैं।

राजामौली के मुताबिक, उन्होंने शूटिंग के दौरान कभी महेश को फोन का इस्तेमाल करते नहीं देखा। उनका पूरा ध्यान सिर्फ अपने काम और आसपास की गतिविधियों पर रहता है। ब्रेक के दौरान भी वह फोन में व्यस्त रहने के बजाय शांत बैठकर लोगों को काम करते हुए देखते रहते हैं। निर्देशक ने कहा कि कई बार महेश घंटों तक बिना किसी व्यवधान के सिर्फ ऑब्जर्व करते रहते हैं। यही एकाग्रता और अनुशासन उन्हें दूसरे कलाकारों से अलग बनाता है। राजामौली ने स्वीकार किया कि महेश की इस आदत ने उन्हें निजी जीवन में भी प्रेरित किया है। अब वह भी परिवार के साथ समय बिताते हुए मोबाइल फोन से दूरी बनाने की कोशिश करते हैं, ताकि अपनों के साथ बेहतर समय बिता सकें।

महेश बाबू लंबे समय से अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और अभिनय के लिए सराहे जाते रहे हैं, लेकिन राजामौली के इस खुलासे ने उनके ऑफ-स्क्रीन व्यक्तित्व की एक नई तस्वीर पेश की है। उनका अनुशासित और केंद्रित रवैया ही उन्हें इंडस्ट्री के सबसे सम्मानित सितारों में शामिल करता है। महेश बाबू अब एस.एस. राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगे। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा जोनस और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिटनेस का सफर शुरू करने से पहले इन गलतियों से बचें

आपमें से कई लोग ऐसे होंगे, जो अपने आसपास किसी से प्रेरित होकर या फिर इंस्टाग्राम पर देखकर फिटनेस के लिए जिम जाने की सोच रहे होंगे। कई लोग जिम फ्रीक होंगे, लेकिन वह लोग जिन्होंने हाल ही में जिम जाना शुरू किया है या जो जाने की सोच रहे हैं, उनके लिए कुछ बातें जानना जरूरी है। खुद को फिट देखने की चाहत में जोश में आकर हम अक्सर जिम की मेंबरशिप तो ले लेते हैं, लेकिन सही जानकारी के अभाव में कुछ ही हफ्तों में हार मान लेते हैं।

फिटनेस को बनाएं अपना लक्ष्य

अकसर लोग सिर्फ दिखावे के लिए जिम जाते हैं, लेकिन अगर आप खुद को फिट रखने के लिए जिम जाना चाहते हैं तो अपने ध्यान को भटकने न दें। सभी के जिम जाने के अपने लक्ष्य होते है, जैसै कोई वजन बढ़ाने के लिए जाता हैं, तो कोई वजन घटाने के लिए और कई लोग केवल फिट रहने और मसल्स गेन करने के लिए जिम जाते हैं। आपको अपना एक लक्ष्य लेकर जरूर चलना है। अगर आपको अपना लक्ष्य ही नहीं पता होगा तो आप गलत एक्सरसाइज चुन सकते हैं।

कंसिस्टेंसी बनाएं रखें

जिम जाते ही लोग तुरंत रिजल्ट का लोभ करते हैं। बॉडी एक दिन में नहीं बनती है और न ही यह एक दिन का काम है। फिटनेस जीवन भर के लिए होता है। अगर आपको खुद को शेप में देखना है, तो उसके लिए वक्त देना होगा और साथ ही कंसिस्टेंसी को मेंटेन रखना होगा। धीरे-धीरे आप शरीर में बदलाव महसूस करेंगे।

सप्लीमेंट के पीछे न भागें

जिम जाते ही वह लोग जो कम समय में अपनी बॉडी बनाना चाहते हैं वह शॉर्टकट ढूंढने लगते हैं। कुछ ट्रेनर या दोस्त महंगे प्रोटीन पाउडर की सलाह देते हैं और वो उनकी बातों में आ जाते हैं। हर किसी के लिए प्रोटीन पाउडर अच्छा हो, यह जरूरी नहीं होता है। एक्सरसाइज या डाइट एक दिन के लिए नहीं होता है, इसलिए आप हेल्दी खाएं और सप्लीमेंट के चक्कर में न पड़ें। नेचुरल डाइट लें। वही डाइट लें, जिसे आप हमेशा फॉलो कर सकें।

जिम की लोकेशन

यह बहुत जरूरी पहलू होता है, जिसे अकसर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। जिम हमेशा आपके घर के पास ही होना चाहिए। इससे आने-जाने में समय कम लगेगा और आप उस समय का उपयोग जिम में कर सकेंगे। जिम में सर्टिफाइड कोच हो और जिम में सभी इक्विपमेंट्स साफ-सुथरे होने चाहिए।

जिम आउटफिट का रखें ध्यान

कई लड़के व लड़कियां जब पहली बार जिम जाते हैं तो उन्हें पता नहीं होता है कि आखिर क्या पहनें। जिम में स्टाइल से ज्यादा कंफर्ट जरूरी होता है। फिर चाहे वह कपड़े हों या जूते, दोनों ही कंफर्टेबल होने चाहिए। कई लोग फैंसी ब्रांड्स पर हजारों खर्च कर देते हैं। पैसे अच्छी और टिकाऊ चीजों पर खर्च करें। अच्छा जिम वियर आपके कॉन्फिडेंस को भी बूस्ट करता है। जब आप मिरर में खुद को देखते हैं, तो आपको अपनी प्रोग्रेस का पता चलता है।

आंवला, भृंगराज और नीम से पाएं हेल्दी और शाइनी बाल

तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण पसीना अधिक आता है। इससे स्कैल्प में नमी बढ़ जाती है और त्वचा के रोमछिद्र अधिक खुल जाते हैं, जिससे बालों की जड़ें कमजोर पड़ने लगती हैं और बाल टूटने लगते हैं। ऐसे में थोड़ी सी अतिरिक्त देखभाल से बालों को फिर से स्वस्थ बनाया जा सकता है। इसके लिए किसी महंगे प्रोडक्ट की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि प्राकृतिक चीजों की मदद से बालों की लगभग हर समस्या से राहत पाई जा सकती है।

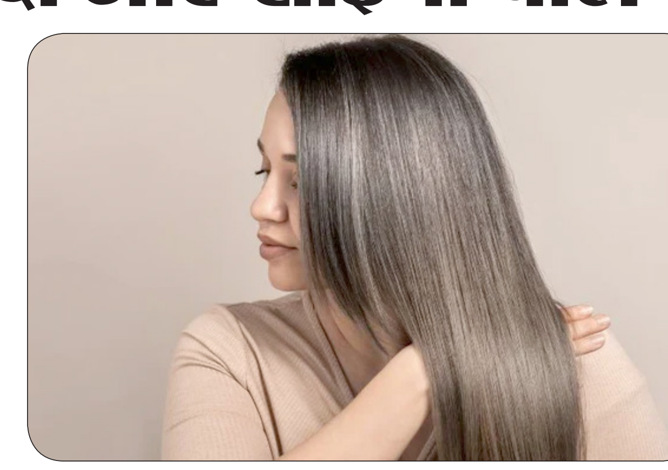

भृंगराज

भृंगराज को बालों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले हर्ब्स का राजा कहा जाता है। गर्मियों के मौसम में यह बालों के लिए बेहतरीन है। इसमें कूलिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो स्कैल्प की नमी और ठंडक देती है। साथ ही नए बालों को भी प्रोमोट करती है। रात को सोने से पहले बालों में गुनगुने भृंगराज तेल की मालिश करनी चाहिए।

आंवला

आंवला में सबसे अधिक विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट पाया जाता है। गर्मी में बालों की नेचुरल चमक और मजबूती खो जाती है। ऐसे में आंवला बालों को धूप से बचाता है और कोलेजिन को बूस्ट करता है, जिससे नए बाल आते है। आंवला बालों में एक्स्ट्रा ऑयल प्रोडक्शन को भी कम करता है। आंवला के तेल से बालों की मालिश की जा सकती है या फिर इसे हेयर मास्क की तरह बालों में लगाने से भी फायदा मिलता है।

ब्राम्ही

यदि गर्मी की वजह से आप तनाव में रहती हैं, तो ब्राम्ही आपके लिए कारगर है। इसकी कूलिंग प्रॉपर्टी से स्कैल्प को ठंडक मिलती है और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। ब्राम्ही बालों को एक प्रोटेक्टिव लेयर प्रदान करता है, जिससे ड्राईनेस व दोमुंहे बालों से छुटकारा मिलता है।

एलोवेरा

एलोवेरा चेहरे के साथ-साथ बालों के लिए भी रामबाण है। इसके जेल को बालों में लगाने से बालों की जड़ों में मौजूद डेड स्किन सेल्स साफ हो जाते हैं। एलोवेरा में नेचुरल प्रोटियोलिटिक एंजाइम होते हैं, जिससे बालों को कंडीशन मिलता है और बाल सिल्की और चमकदार होते है।

नीम

नीम प्रकृति का वरदान है। गर्मियों में बालों की जड़ों में खुजली, बंद पोर्स और इंफेक्शन की समस्या हो जाती है। इससे बचने के लिए नहाने व बाल धोने के पानी में नीम की पत्तियों को डालकर इस्तेमाल करना चाहिए। नीम में नेचुरल एंटी बैक्टीरियल प्रॉपर्टी होती है। डैंड्रफ के लिए नीम के तेल को बालों में लगाने से लाभ मिलता है। नीम के पेस्ट को हेयर मास्क की तरह भी उपयोग में लाया जाता है।

अनजाने में न करें ये ब्यूटी गलतियां, वरना समय से पहले दिखेंगी उम्रदराज

खूबसूरत दिखने की चाह हर महिला की होती है, लेकिन कई बार अनजाने में की गई छोटी-छोटी ब्यूटी गलतियां त्वचा और बालों को नुकसान पहुंचाने लगती हैं। गलत मेकअप तकनीक, बालों की गलत देखभाल और स्किन रूटीन में लापरवाही समय से पहले एजिंग, झुर्रियों और हेयर डैमेज की वजह बन सकती है। अगर आप भी अपनी खूबसूरती को लंबे समय तक बरकरार रखना चाहती हैं, तो इन आम लेकिन जरूरी ब्यूटी मिस्टेक्स से बचना बेहद जरूरी है।

दुनिया में हर औरत सुंदर दिखना चाहती है। इसके लिए वह जो प्रयास करती है, कई बार वे भारी पड़ जाते हैं। ऐसी गलतियां हो जाती हैं जिससे सुंदरता हासिल होने की बजाय उसको नुकसान पहुंचता है। इसलिए ऐसी गलतियों से सजग रहना चाहिए। कई बार छोटी-मोटी गलतियों से त्वचा समय से पहले ही लटक जाती है और उस पर पड़ने वाली झुर्रियां असल उम्र से कहीं ज्यादा का दिखाने लगती हैं। हर रोज बालों को धोना, उनमें कंडीशनर लगाना ताकि वो कोमल और रेशमी बनें लेकिन ऐसा होता नहीं, उल्टे बार-बार बाल धोने से ये खराब हो जाते हैं। इसी तरह मेकअप और बालों के ब्रश की नियमित सफाई न करने से भी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आइने के सामने खड़े होकर अकसर आईब्रोज के बालों को निकालना ये भी ऐसी गलती है जो दिखने में छोटी लगती है, लेकिन इससे त्वचा और बालों पर बुरा असर पड़ता है। कुछ ऐसी ही गलतियां हैं, जिन्हें महिलाएं अकसर करती हैं।

बचें इन छोटी-छोटी गलतियों से

मेकअप करने के बाद ब्रश को अच्छे ढंग से साफ करके रखना चाहिए। बिना साफ करके रखने पर उनमें बैक्टीरिया पैदा होने का खतरा रहता है। कुछ महिलाएं यह सोचती हैं कि बालों को साफ रखने के लिए उन्हें नियमित धोना जरूरी है। यदि आप उन्हीं में से हैं, तो अपने दिमाग से इस बात

को निकाल दें। बालों को रोज धोने का मतलब है बालों के प्राकृतिक तेल बनने की प्रक्रिया को बाधित करना। इसलिए बालों को रोज धोने से बचें। बालों को रोज धोने से वो रूखे और बेजान हो जाते हैं। इसी तरह बालों में ज्यादा कंडीशनर का इस्तेमाल भी नहीं करना चाहिए। अकसर महिलाएं शैम्पू करने के बाद हाथ में कंडीशनर लेकर बालों में इस तरह से लगाती हैं मानो वो शैम्पू लगा रही हों। थोड़ी देर वह इससे बालों में मसाज करती हैं और इसके बाद बाल धोते हैं। जबकि बालों की जड़ों में कभी कंडीशनर नहीं लगाना चाहिए। क्योंकि जड़ों से बाल नए और स्वस्थ होते हैं और यदि कंडीशनर को बालों की जड़ों में लगाया जाता है, तो इससे उनकी जड़ों को नुकसान पहुंच सकता है।

चेहरे के साथ गर्दन पर भी दें ध्यान

अपने चेहरे की त्वचा की साफ-सफाई के रूटीन के दौरान क्या आप कभी अपनी गर्दन को भी साफ करके उससे मॉस्चराइज करती हैं या फिर केवल चिन से ऊपर ही चेहरे की सुंदरता पर ध्यान देती हैं? इस बात को हमेशा याद रखें कि हमारे गर्दन की त्वचा भी बेहद पतली और संवेदनशील होती है, इस जगह की भी साफ सफाई के प्रति हमें संवेदनशील होना चाहिए। इसलिए गर्दन की सुंदरता के लिए उस पर क्लींजर और मॉस्चराइजर नियमित लगाएं।

जरूरी है इंतजार

त्वचा का मेकअप करने के दौरान जिस समय आप मॉस्चराइजर लगाएं, उसे सूखने के लिए समय दें। इसे अच्छी तरह सूख जाने के बाद ही इस पर फाउंडेशन लगाएं। फाउंडेशन लगाने के बाद उसके भी सूखने का इंतजार करें, तभी बेहतर नतीजे मिलते हैं। यदि आप मेकअप के दौरान धैर्य नहीं रखेंगी तो यह खराब हो सकता है।

निर्देशों को ध्यान से पढ़ें

त्वचा में ब्रेकआउट होने पर स्पॉट क्रीम लगाना हमें बेहद आसान लगता है। जबकि ऐसा करने से बचना चाहिए। क्योंकि यह क्रीम हमारी त्वचा पर लंबे समय तक मौजूद रहने से कई तरह के नुकसान करती है। त्वचा भी तो सांस लेती है, इसलिए इस पर क्रीम की मोटी परत इसे बीमार बनाती है।

बालों को प्रोटेक्ट करें

हेयर ड्रायर और स्ट्रेटनर इस्तेमाल करने से पहले अपने बालों को प्रोटेक्ट करना न भूलें। अपने बालों की पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए बिना यदि आप उन्हें हीट देते हैं, तो सूखने के बाद ये रूखे बेजान और चमकहीन हो जाते हैं।

आईब्रो बनाएं शीशे से दूर रहकर

यदि आप शीशे के बहुत करीब आकर अपनी आईब्रोज के बाल निकालती हैं, तो ज्यादा करीब से हर बाल दिखायी देता है जिसकी वजह से एक एक बाल निकालने से आईब्रो की शेप तो बिगड़ती ही है। यह ज्यादा पतली भी हो सकती है। इसलिए शीशे से दूर हटकर अपना पूरा चेहरा देखकर ही आईब्रो की शेप बनानी चाहिए। इससे आपको मोटी और आईब्रो की पूरी शेप मिलेगी।

आईलाइनर-मस्कारा आंखों के ऊपर

कभी भी आईलाइनर और मस्कारा अपनी आंखें के नीचे पलकों पर नहीं लगाना चाहिए। क्योंकि ऐसा करने से आपके आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स ज्यादा साफ दिखायी देने लगते हैं। आंखों के नीचे की पलकों के लिए हमेशा काजल का ही इस्तेमाल करें और आईलाइनर और मस्कारा केवल आंखों के ऊपर ही लगाएं।

यूपीटीईटी-2026: नकल पर सख्त निगरानी, झांसी के 20 केंद्रों पर 36,959 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झांसी। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी)-2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) शिव प्रताप शुक्ल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के नवीन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में परीक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया गया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि 2, 3 और 4 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली यूपीटीईटी परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की नकल या अनियमितता को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा में किसी भी डुप्लीकेट अभ्यर्थी को शामिल होने से रोकने के लिए कक्ष निरीक्षक प्रवेश पत्रों की गंभीरता से जांच करें

तथा प्रत्येक परीक्षार्थी की पहचान सुनिश्चित करें। जनपद झांसी में परीक्षा 20 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। 2 और 3 जुलाई को परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक, जबकि दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित होगी। वहीं 4 जुलाई को केवल पहली पाली में सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक परीक्षा कराई जाएगी। अपर जिलाधिकारी ने सभी सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों का पुनः निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक केंद्र पर वॉयस रिकॉर्डिंग युक्त सीसीटीवी कैमरे, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल, शौचालय, रैंप सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि परीक्षा केंद्र के भीतर केंद्र व्यवस्थापक, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, पर्यवेक्षक अथवा अन्य कोई भी अधिकारी मोबाइल फोन, एंड्रॉयड फोन या किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर प्रवेश नहीं करेगा। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि सभी परीक्षार्थियों की तलाशी पूरी सतर्कता के साथ ली जाए तथा महिला अभ्यर्थियों की तलाशी केवल महिला शिक्षिकाओं द्वारा ही कराई जाए। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने परीक्षा केंद्रों के आसपास धरना-प्रदर्शन, जुलूस, जनसभा और बिना अनुमति लाउडस्पीकर के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही परीक्षा केंद्रों के आसपास स्थित सभी फोटोस्टेट मशीनें बंद रखने को कहा गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि परीक्षा अवधि में जनपद झांसी में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-163 प्रभावी रहेगी और सभी अधिकारी इसके अनुपालन के लिए जिम्मेदार होंगे। यूपीटीईटी-2026 के नोडल अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल ने बताया कि परीक्षा के लिए जनपद में कुल 36,959 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। 2 जुलाई को पहली एवं दूसरी पाली में 7,445-7,445 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। 3 जुलाई को दोनों पालियों में 7,446-7,446 अभ्यर्थी शामिल होंगे, जबकि 4 जुलाई को एकमात्र पाली में 6,477 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी 20 परीक्षा केंद्रों पर केंद्र व्यवस्थापकों, 20 स्टैटिक/सेक्टर मजिस्ट्रेटों तथा विभागीय पर्यवेक्षकों की तैनाती कर दी गई है और सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बैठक में पुलिस अधीक्षक नगर प्रीति सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक रती वर्मा, राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सतीश कुमार, मिलन गुप्ता, सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेट, परीक्षा केंद्रों के प्रधानाचार्य, केंद्र व्यवस्थापक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत घूसखोरी मामले में गिरफ्तार

संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के एक मामले में आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत को बुधवार को गिरफ्तार किया है। गहलावत वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस), दिल्ली में तैनात हैं। सीबीआई ने बुधवार को बताया कि इस मामले में 8 जून को दिल्ली पुलिस के एक इंस्पेक्टर और दो निजी व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत ने निजी व्यक्तियों से रिश्वत की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि वह अपने व्यक्तिगत प्रभाव का इस्तेमाल कर पुडुचेरी में नकली दवाओं की बिक्री से जुड़े उन मामलों में राहत दिला सकते हैं, जिनकी जांच सीबीआई कर रही है। जांच के दौरान सीबीआई ने पहले दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह सहित छह अन्य निजी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई के दौरान लगभग 25 लाख रुपये की ट्रैप राशि बरामद की गई थी। इसके अलावा करीब 90 लाख रुपये नकद तथा

कई आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए गए थे। सीबीआई के अनुसार, दीपक गहलावत से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान अनेक डिजिटल उपकरण, हार्ड डिस्क, दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए गए हैं। एजेंसी ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और रिश्वतखोरी तथा प्रभाव के दुरुपयोग से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। गिरफ्तार आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत हरियाणा कैडर के 2012 बैच के अधिकारी हैं। इस मामले में पहले गिरफ्तार किए गए प्रदीप सिंह दिल्ली पुलिस में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में प्रो. आर.के.सैनी को भावभीनी विदाई

सुरक्षा विंग एवं प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने किया सम्मानित

संवाददाता

झांसी, उत्तर प्रदेश। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में प्रॉक्टोरियल बोर्ड एवं सुरक्षा विंग के पूर्व प्रभारी प्रो. आर.के. सैनी के सेवानिवृत्त होने पर विश्वविद्यालय परिसर में भव्य विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सुरक्षा विंग और प्रॉक्टोरियल बोर्ड की ओर से किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों, अधिकारियों, सुरक्षा कर्मियों एवं प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का संयोजन सुरक्षा अधिकारी डॉ. सुनील त्रिवेदी तथा मुख्य नियंता (चीफ प्रॉक्टर) प्रो. विनीत कुमार ने संयुक्त रूप से किया। समारोह की अध्यक्षता स्वयं सेवानिवृत्त हो रहे प्रो.आर.के.सैनी ने की, जो उनके प्रति विश्वविद्यालय परिवार के गहरे सम्मान और आत्मीयता का प्रतीक रहा। समारोह का शुभारंभ स्वागत एवं अभिनंदन भाषण से हुआ। इस अवसर पर डॉ. सुनील त्रिवेदी और प्रो. विनीत कुमार ने प्रो. सैनी के अनुशासित नेतृत्व, प्रशासनिक दक्षता और विश्वविद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रो. सैनी ने अपने कार्यकाल में सुरक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने के साथ-साथ प्रॉक्टोरियल बोर्ड को भी प्रभावी

और सक्रिय बनाया। अपने संबोधन में प्रो.आर.के.सैनी ने विश्वविद्यालय में बिताए वर्षों की यादों को साझा करते हुए सुरक्षा कर्मियों और प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल की हर उपलब्धि सुरक्षा जवानों की सतर्कता, समर्पण और टीम भावना का परिणाम रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार से मिले सहयोग और स्नेह को अपने जीवन की अमूल्य पूंजी बताया। इस अवसर पर प्रॉक्टोरियल बोर्ड की सदस्य डॉ. शुभांगी निगम, डॉ. दीप्ति सिंह, डॉ. ज्योति मिश्रा, डॉ. श्वेता पांडे और डॉ. सुमिरन श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभी वक्ताओं ने प्रो. सैनी को एक अनुशासित प्रशासक, कुशल मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत बताते हुए उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया। समारोह में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं अधिकारी डॉ. ए.पी.एस. गौर, डॉ. कौशल त्रिपाठी, डॉ. विजय यादव, डॉ. प्रेम राजपूत, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. अवनीश दुबे, अतीत विजय, देवेन्द्र सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में सुरक्षा अधिकारी और सुरक्षाकर्मी भी अपने पूर्व प्रभारी को विदाई देने के लिए कार्यक्रम में शामिल हुए। समारोह के अंत में प्रो. आर.के.सैनी को विश्वविद्यालय में उनकी उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवाओं के लिए स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल सेवानिवृत्त जीवन की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

उन्नाव में सड़क हादसा: अज्ञात वाहन की टक्कर से किराना कारोबारी की मौत, परिवार में मचा कोहराम

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार किराना कारोबारी की मौत हो गई। पुलिस ट्रेनिंग स्कूल (पीटीएस) के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल कारोबारी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान माथर गांव, कोतवाली सफीपुर निवासी 45 वर्षीय नरेश पुत्र बेचेलाल के रूप में हुई है। नरेश अपने घर पर किराना की दुकान संचालित कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। जानकारी के अनुसार, सोमवार को नरेश किसी कार्य से गंगादासपुर गांव गए थे। देर शाम करीब आठ बजे वह बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र में स्थित पुलिस ट्रेनिंग स्कूल (पीटीएस) के समीप एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह बाइक सहित सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और घायल नरेश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर पहुंचाया। चिकित्सकों ने उन्हें बचाने

का हरसंभव प्रयास किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के घर में मातम छा गया। पत्नी सविता, पुत्र अमन (19) और पुत्री खुशी (17) का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है कि नरेश ही परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना करने वाले वाहन की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों से जानकारी जुटाई जा रही है तथा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी वाहन और चालक की पहचान कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डॉक्टर्स डे पर वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. डी.एन.मिश्रा ने स्वस्थ रहने का दिया संदेश

संवाददाता

झांसी, उत्तर प्रदेश। डॉक्टर्स डे के अवसर पर बुंदेलखंड के वरिष्ठ जनरल फिजिशियन एवं निर्मल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. डी.एन. मिश्रा ने बुंदेलखंड, उत्तर प्रदेश तथा देशवासियों को स्वस्थ एवं निरोग रहने की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने लोगों से मौसम में हो रहे बदलाव के दौरान विशेष सावधानी बरतने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। डॉ. मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में मौसम लगातार बदल रहा है। कभी तेज गर्मी तो कभी बारिश होने के कारण वायरल संक्रमण और मौसमी

बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में लोगों को अपनी दिनचर्या और खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए तथा चिकित्सकों द्वारा दी गई सलाह का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी महसूस हो तो स्वयं दवा लेने के बजाय तुरंत योग्य चिकित्सक से परामर्श लेकर उचित उपचार कराना चाहिए। समय पर इलाज कराने से गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। वरिष्ठ चिकित्सक ने लोगों को नियमित योग, मॉर्निंग वॉक और संतुलित जीवनशैली अपनाने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन योग और व्यायाम करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और व्यक्ति कई बीमारियों से सुरक्षित रह सकता है। डॉ. डी.एन. मिश्रा ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराना चाहिए और किसी भी बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर डॉक्टर की सलाह लेने में देर नहीं करनी चाहिए। डॉक्टर्स डे के अवसर पर उन्होंने सभी चिकित्सकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉक्टर समाज की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम हैं और मरीजों को स्वस्थ जीवन देने के लिए निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने सभी नागरिकों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आग्रह किया।

हमारा सबसे बड़ा मकसद स्वदेशी तरीकों का इस्तेमाल करके युद्ध जीतना होगा : आर्मी चीफ

संवाददाता

नई दिल्ली। नए सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ को कार्यभार संभालने के बाद बुधवार को पहला गार्ड ऑफ ऑनर साउथ ब्लॉक लॉन्स में दिया गया। इसके बाद उन्होंने अपने पिता लेफ्टिनेंट जनरल केएम सेठ (सेवानिवृत्त) और छोटे भाई रियर एडमिरल रविनीश सेठ को सैल्यूट किया। अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि हमारा सबसे बड़ा मकसद स्वदेशी तरीकों का इस्तेमाल करके युद्ध जीतना होगा।

हम अपनी सीमाओं और उभरते खतरों के बारे में लगातार विजिलेंस बनाए रखेंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किसी भी चुनौती का असरदार तरीके से मुकाबला करने के लिए ऑपरेशनल रेडीनेस का हाई लेवल बनाए रखेंगे। नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़कवासला के पुराने स्टूडेंट जनरल सेठ आर्म्ड कोर के पहले ऑफिसर हैं, जो 1997 में 20 लांसर्स के जनरल शंकर रॉय चौधरी के रिटायरमेंट के बाद आर्मी चीफ बने हैं। वे एक जाने-माने सैन्य परिवार से आते हैं। उनके पिता लेफ्टिनेंट जनरल केएम सेठ 1997 में आर्मी के एडजुटेंट

जनरल के पद से रिटायर हुए थे, जब नए आर्मी चीफ खुद कैप्टन थे। उनके भाई रियर एडमिरल रविनीश सेठ भारतीय नौसेना में फ्लैग ऑफिसर के तौर पर कार्यरत हैं। जनरल सेठ को सैन्य क्षेत्र में जमीनी और ऑपरेशन पर फोकस करने वाले कमांडर के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने उसी भोपाल-बेस्ड 21 स्ट्राइक कोर को कमांड किया है, जिसे कभी उनके पिता लीड करते थे। पदभार संभालने के बाद आर्मी चीफ जनरल धीरज सेठ ने कहा कि आज जब मैं भारतीय सेना के 31वें चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ का पद संभाल रहा हूं, तो यह मेरे लिए गर्व और विनम्रता का पल है। ड्यूटी, ऑनर और नेशन फर्स्ट के आदर्शों के प्रति पक्के कमिटमेंट के साथ मैं यह जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में आयोजित प्री-बिड मीटिंग को वर्चुअली किया संबोधित

संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश सरकार ने 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा उपलब्ध कराने की महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत कर दी है। मध्य प्रदेश, स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहा है। उन्होंने बताया कि दावोस में की गई घोषणा के अनुरूप प्रदेश, 24 घंटे हरित ऊर्जा देने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए मध्य प्रदेश भवन नई दिल्ली में बुधवार को आयोजित प्री-बिड मीटिंग को राजधानी भोपाल स्थित समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। नई दिल्ली में हुई बैठक में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव तथा विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मध्य प्रदेश का ट्रैक रिकॉर्ड सबसे बेहतर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना ने

देश में सबसे कम सौर टैरिफ स्थापित कर भारत को वैश्विक पहचान दिलाई। शाजापुर-नीमच सोलर पार्कों ने 2.14 रुपये प्रति यूनिट का प्रदेश में सबसे कम टैरिफ अर्जित किया। हाल ही में मुरैना की 4 घंटे की स्टोरेज प्लस परियोजना के लिए 2.70 रुपये प्रति यूनिट पर पीपीए हुआ, यह देश की सबसे प्रतिस्पर्धी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं में से एक है। मध्य प्रदेश है देश का सबसे निवेश मित्र राज्य मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को पारदर्शी नीतियाँ, त्वरित निर्णय और उत्कृष्ट अधोसंरचना उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने देश-विदेश के निवेशकों से मध्यप्रदेश की ऊर्जा क्रांति के सहभागी बनने का अनुरोध किया। ऊर्जा में आत्मनिर्भरता है हमारा लक्ष्य मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केवल परियोजनाएं स्थापित करना नहीं बल्कि हरित ऊर्जा, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाना राज्य सरकार का उद्देश्य है।

गरीबों और राज्यों के लिए बोझ साबित होगा वीबी जी राम जी अधिनियम: कांग्रेस

संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस ने विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी जी राम जी अधिनियम लागू होने पर आरोप लगाया कि इस योजना में केंद्र और राज्य का खर्च का अनुपात 60-40 होने की वजह से यह गरीबों और राज्यों दोनों के लिए बोझ साबित होगी। कांग्रेस सांसद एवं ग्रामीण विकास व पंचायती राज से जुड़ी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष सप्तगिरि उलका ने यहां पार्टी मुख्यालय में बुधवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) मांग आधारित रोजगार देने वाली अधिकार आधारित योजना थी, जबकि नई योजना में राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव डाल दिया गया है। उलका ने कहा कि मनरेगा में केंद्र सरकार मजदूरी लागत का लगभग पूरा बजट देती थी और सामग्री लागत में 60-40 का अनुपात होता था। इससे राज्यों पर कम बोझ पड़ता था, लेकिन वीबी जी राम जी में मजदूरी और सामग्री दोनों की लागत 60-40 अनुपात में रख दी गई है। हरियाणा को 984 करोड़

रुपये के आवंटन में 40 प्रतिशत यानी 393 करोड़ रुपये खुद देने होंगे। इतने खर्च के बाद भी केवल 13.78 दिन का रोजगार मिल रहा है। यदि इसे 125 दिन करना हो तो राज्य को लगभग 5,786 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च करने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 125 दिन रोजगार देने का दावा करती है, लेकिन फंडिंग गैप यह साबित करता है कि यह दावा केवल जुमला है। नई योजना में ग्राम सभा की भूमिका समाप्त कर दी गई है और अधिकार अधिकारियों को दे दिए गए हैं। मनरेगा में ग्राम सभा तय करती थी कि काम कहां होना चाहिए।

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक- सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं. १४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रूज (पूर्व), मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। **संपादक सुनील कुमार तिवारी,** RNI. NO. MAHMUL/2017/74054, **संपादकीय कार्यालय: कंटेश्वर सिंह चाल, अपोजीट एकताड़ मंडल, साईं बाबा रोड, खार (पूर्व), मुंबई- 400051, Mob. 8898271111**